www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

मौसम

अधिकतम तापमान 35.c
26.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 90.790g
चांदी 91.500 kg

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper
bharatsamvad.live

2 बिखराव की राह पर बसपा, बहुजन वाली राजनीति अब स्वजनों की महत्वाकांक्षा में फंस गई

सीजफायर के बाद इजराइल की गाजा पर एयरस्ट्राइक 04

वर्ष :08 अंक :266 मुंबई ,बुधवार , 19 मार्च , 2025 पृष्ठ : 06 मूल्य : 2 : 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

सड़क निर्माण का चल रहा था काम, जेसीबी के टकराने से टूटा खंभा, दो महिलाओं की मौत

बेंगलुरुः कर्नाटक के बेंगलुरु में सड़क निर्माण कार्य के दौरान एक बिजली का खंभा टूट गया. इसके गिरने से दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि दो बच्चे घायल हो गए. यह घटना सोमवार शाम बैयप्पनहल्ली थाना क्षेत्र में हुई. जानकारी के मुताबिक घटना में मारे गए लोगों की पहचान सुदागुंटेपाल्या निवासी सुमति और सोनी कुमारी के रूप में हुई हैं. हादसा उस समय हुआ, जब सुदागुंटेपाल्या मुख्य मार्ग पर सड़क मरम्मत का कार्य चल रहा था. इसी दौरान एक जेसीबी वाहन पीछे की ओर जा रहा था, जो बिजली के खंभे से टकरा गया. नतीजतन बिजली का खंभा टूटकर पैदल चल रही दो महिलाओं पर गिर गया. दोनों की मौके पर ही मौत हो गई. जानकारी के मुताबिक बिहार निवासी सोनी कुमारी पिछले आठ साल से अपने दो बच्चों के साथ बेंगलुरू में रह रही थी. पता चला है कि वह वर्तमान में चार महीने की गर्भवती थी. वहीं, अन्य मृतक सुमति तमिलनाडु की रहने वाली थी.

पाकिस्तान से भारत आई सीमा हैदर बनीं मां, बेटी को दिया जन्म

नई दिल्ली/नोएडा : पाकिस्तान से भारत आई सीमा हैदर ने मंगलवार सुबह एक बच्ची को जन्म दिया. उन्हें ग्रेटर नोएडा के कृष्णा अस्पताल में एडमिट कराया गया था. सीमा ने सुबह 4 बजे बेटी को जन्म दिया. मां और नवजात दोनों स्वस्थ हैं.सीमा हैदर पांचवी बार मां बनी हैं. सचिन मीणा को पहली संतान मिली है. परिवार का कहना है कि जच्चा और बच्चा दोनों ठीक हैं और जल्द ही उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी. बेटी के जन्म से वे बहुत खुश हैं.सीमा हैदर के अधिवक्ता एपी सिंह ने बताया कि बेटी का जन्म परिवार के लिए एक नया अध्याय है. उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं. सचिन और सीमा ने अभी तक अपनी नवजात बेटी के नाम का खुलासा नहीं किया है लेकिन परिवार के करीबी सूत्रों के अनुसार वह जल्द ही एक पारिवारिक समारोह में बच्ची का नामकरण करेंगे. इसके लिए सोशल मीडिया पर लोगों से सुझाव भी मांगे जाएंगे.2023 में पाकिस्तान से नोएडा आई, सचिन से शादी की थीः सीमा हैदर 2023 में नोएडा के रबूपुरा कस्बे में आई थी. तब से सुर्खियों में रहीं. उनके प्रेम और संघर्ष की कहानी को लेकर देशभर में चर्चा होती रही है. भारत आने के बाद से ही उनके मामले ने राजनीतिक और कानूनी बहस को जन्म दिया. सीमा पर अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने का आरोप भी लगा था, लेकिन बाद में उन्हें जमानत मिल गई. एपी सिंह कहते हैं कि सीमा हैदर के बच्चे को भारतीय नागरिकता दिलाएंगे.

महाकुंभ में पूरे विश्व ने भारत के विराट स्वरूप के दर्शन किए : पीएम मोदी

लोकसभा में पीएम मोदी ने 1857 की क्रांति से की महाकुंभ की तुलना

लोकसभा में बोले पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि महाकुंभ से अनेक अमृत निकले हैं, एकता का अमृत इसका बहुत पवित्र प्रसाद है। महाकुंभ ऐसा आयोजन रहा जिसमें देश के हर क्षेत्र, कोने से आए लोग एक हो गए। लोग अहम त्यागकर मैं नहीं हम की भावना से प्रयागराज में जुटे... जब अलग-अलग भाषा, बोली बोलने वाले लोग संगम तट पर हर-हर गंगे का उद्घोष करते हैं तो 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की झलक दिखती है।

एजेंसी

महाकुंभ पर जैसे ही संसद में पीएम मोदी ने शुरू किया बोलना, विपक्ष ने किया वॉकआउट, अयोध्या के सांसद ने बताई वजह

प्रधानमंत्री मोदी ने प्रयागराज में महाकुंभ पर लोकसभा को संबोधित किया और भव्य आयोजन के लिए सभी का आभार जताया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि महाकुंभ के दौरान पूरी दुनिया ने भारत की भव्यता देखी। उन्होंने कहा कि मैं प्रयागराज में महाकुंभ की सफलता में योगदान देने वाले देश के करोड़ों लोगों को नमन करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं प्रयागराज के महाकुंभ पर बोलने के लिए यहां खड़ा हूं। मैं करोड़ों देशवासियों को बधाई देता हूं जिनकी वजह से महाकुंभ का सफल आयोजन हो सका। महाकुंभ की सफलता में कई लोगों ने योगदान दिया। मैं भारत, यूपी और प्रयागराज के लोगों को धन्यवाद देता हूं। पीएम मोदी ने आगे कहा कि पिछले वर्ष राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान सभी ने देखा कि कैसे देश अगले 1000 वर्षों के लिए खुद को तैयार कर रहा है। महाकुंभ के दौरान यह विचार और भी मजबूत हुआ। देश के सामूहिक जागरण ने सामूहिक शक्ति को बढ़ाया। इसके बाद उनके इस भाषण को लेकर विपक्ष ने विरोध जताया और सदन से वॉकआउट कर लिया।

नयी दिल्ली। लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं प्रयागराज में हुए महाकुंभ पर वक्तव्य देने के लिए उपस्थित हुआ हूं। आज मैं सदन के माध्यम से देशवासियों को कोटि-कोटि नमन करता हूं जिनकी वजह से महाकुंभ का सफल आयोजन हुआ। महाकुंभ की सफलता में अनेक लोगों का योगदान है। मैं सरकार, समाज के सभी कर्मयोगियों का अभिनंदन करता हूं। मैं देश भर के श्रद्धालुओं, उत्तर प्रदेश व विशेष रूप से प्रयागराज की जनता का धन्यवाद करता हूं। पूरे विश्व ने महाकुंभ के रूप में भारत के विराट स्वरूप के दर्शन किए। सबका प्रयास का यही साक्षात स्वरूप है। यह जनता जनार्दन का, जनता जनार्दन के संकल्पों के लिए, जनता जनार्दन की श्रद्धा से प्रेरित महाकुंभ था...महाकुंभ में हमने हमारी राष्ट्रीय चेतना के जागरण के विराट दर्शन किए। उन्होंने कहा कि महाकुंभ भारत के इतिहास में ऐसा ही क्षण था, जैसा 1857 की क्रांति, भगत सिंह का बलिदान और गांधी का डांडी मार्च था। इन घटनाओं ने देश को एक नया मोड़ दिया और ऐसा ही महाकुंभ के विशाल आयोजन से भी हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि महाकुंभ से अनेक अमृत निकले हैं, एकता का अमृत इसका बहुत पवित्र प्रसाद है। महाकुंभ ऐसा आयोजन रहा जिसमें देश के हर क्षेत्र, कोने से आए लोग एक हो गए। लोग अहम त्यागकर मैं नहीं हम की भावना से प्रयागराज में जुटे... जब अलग-अलग भाषा, बोली बोलने वाले लोग संगम तट पर हर-हर गंगे का उद्घोष करते हैं तो 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की झलक दिखती है।

राज्यसभा में सोनिया गांधी का भाषण

वहीं राज्यसभा में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को व्यवस्थित रूप से कमजोर करने का आरोप लगाया और इस कानून के तहत न्यूनतम मजदूरी और कार्य दिवसों की संख्या बढ़ाए जाने की मांग की। राज्यसभा में शून्यकाल के तहत इस मुद्दे को उठाते हुए सोनिया ने इस कानून को जारी रखने और साथ ही इसका विस्तार करने के लिए पर्याप्त वित्तीय प्रावधान किए जाने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक कानून लाखों ग्रामीण गरीबों के लिए एक महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच रहा है।

नागपुर में हिंसा के बाद 11 इलाकों में कर्फ्यू :50 अरेस्ट, 33 पुलिसकर्मी घायल, इनमें 3 डीसीपी

संभाजीनगर में औरंगजेब की कब्र के पास बैरिकेडिंग

सीएम खुद नागपुर से विधायक सीएम देवेंद्र फडणवीस ने देर रात कैबिनेट मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले के साथ बैठक की। इसके बाद बावनकुले नागपुर के लिए रवाना हो गए। सीएम ने उन्हें घटना पर रिपोर्ट सौंपने को कहा है। बावनकुले नागपुर के संरक्षक मंत्री हैं। फडणवीस भी नागपुर के दक्षिण-पश्चिम सीट से विधायक हैं।

एजेंसी

नागपुर , नागपुर में औरंगजेब का पुतला जलाने पर हुई हिंसा के बाद मंगलवार को 11 इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया है ।सोमवार शाम हुई हिंसा में 33 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, इनमें 3 डीसीपी हैं ।5 आम लोग भी घायल हैं, इनमें से एक ICU में भर्ती है ।दंगाइयों ने 12 बाइक, कई कारें, 1 JCB जला दी। पुलिस ने दंगे के आरोप में 50 लोगों को अरेस्ट किया गया है ।वहीं, संभाजीनगर में औरंगजेब की कब्र की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कब्र की ओर जाने वाले रास्तों पर बैरिकेडिंग कर दी गई है ।हर आने-जाने वालों की जांच की जा रही है ।औरंगजेब की प्रतीकात्मक कब्र जलाने से बवाल हुआ सोमवार को नागपुर में विश्व हिंदू परिषद ण ने प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन के दौरान गोबर के कंडों से भरा एक हरे रंग का कपड़ा जलाया गया। VHP के मुताबिक, ये औरंगजेब की प्रतीकात्मक कब्र थी ।इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद देर शाम 7:30 बजे नागपुर के महल इलाके में हिंसा भड़क गई। पथराव और तोड़फोड़ शुरू हो गई। उपद्रवियों ने घरों पर पथराव किया और सड़क पर खड़े दर्जनों वाहनों में तोड़फोड़-आगजनी की। पुलिस पर भी हमला किया गया। डीसीपी निकेतन कदम कुल्हाड़ी के हमले से घायल हो गए। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। रात 10.30 बजे से 11.30 बजे के बीच ओल्ड भंडारा रोड के पास हंसपुरी इलाके में एक और झड़प हुई। सीएम ने घायल डीसीपी से वीडियो कॉल पर बात की मंगलवार को सीएम देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में बताया कि नागपुर हिंसा को लेकर 5 केस दर्ज की गई है। वहीं, 31 पुलिसकर्मी और 7 नागरिक घायल हुए हैं। फडणवीस ने कुल्हाड़ी के हमले से घायल डीसीपी निकेतन कदम से वीडियो कॉल पर बात भी की ।मुंबई के मुस्लिम बहुल इलाकों में भी सुरक्षा बढ़ी हिंसा के बाद शहर के गणेशपेठ, लकड़गंज, पचपावली, शांतिनगर, सक्करदरा, नंदनवन, इमामवाड़ा, यशोधरा नगर और कपिल नगर में कर्फ्यू लगाया गया है।

फिरोजाबाद के दिहुली सामूहिक नरसंहार में 3 दोषियों को फांसी की सजा

44 साल पहले 24 दलितों को गोलियों से भून दिया था

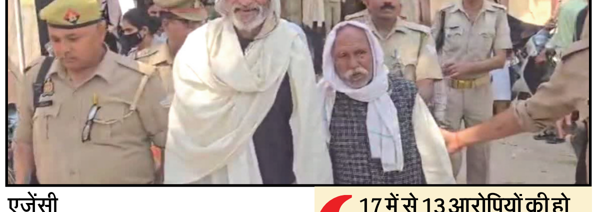

एजेंसी

मैनपुरीः फिरोजाबाद के दिहुली गांव में 44 साल पहले हुए सामूहिक नरसंहार मामले में कोर्ट ने फैसला सुना दिया है. कोर्ट ने पिछले दिनों दोषी करार दिए गए कप्तान सिंह, रामसेवक और रामपाल को फांसी की सजा सुनाई है. इसके साथ ही तीनों पर 50/50 हजार रुपए का जुमार्ना भी लगाया है. इसके पहले दोषियों को पुलिस अभिरक्षा में न्यायालय में पेश किया गया. कोर्ट के समक्ष अभियोजन पक्ष और दोषियों के अधिवक्ता ने पक्ष रखा. कोर्ट में जाते समय तीनों दोषियों ने अपने आपको

17 में से 13 आरोपियों की हो चुकी मौत, एक फरार, 15 साल बाद मैनपुरी कोर्ट ने सुनाया फैसला-सजा सुनकर रोने लगे तीनों हत्यारे

निर्दोष बता रहे थे.18 नवंबर 1981 को 3 घंटे की थी फायरिंगः सहायक जिला सरकारी वकील रोहित शुक्ला के मुताबिक, 18 नवंबर 1981 की शाम पांच बजे के करीब फिरोजाबाद के थाना जसराना क्षेत्र के दिहुली गांव में हथियारबंद बदमाशों ने घुसकर अनुसूचित जाति बस्ती में हमला बोल दिया था. घरों में मौजूद महिलाओं, पुरुष और बच्चों पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाना शुरू कर दी थीं।

15 साल से मैनपुरी में चल रही थी सुनवाई

यहां मामले की 15 सालों से सुनवाई चल रही है . 11 मार्च को डकैती न्यायालय की न्यायाधीश इंदिरा सिंह ने तीनों आरोपियों को सामूहिक हत्याकांड का दोषी करार दिया था और सजा के लिए 18 तारीख नियत की थी . एडवोकेट रोहित शुक्ला ने बताया कि मंगलवार को दोषी कप्तान सिंह, रामसेवक और रामपाल न्यायालय में उपस्थित हुए. कोर्ट ने दों पक्षों की दलीलें और गवाहों की गवाह के बाद तीनों दोषियों को फांसी की सजा सुनाई है . इसके साथ ही 50-50 हजार रुपये जुमार्ना भी लगाया है . इस मामले में 17 आरोपी थे, जिनमें से 13 की मौत हो चुकी है . जबकि एक आरोपी ज्ञानचंद फरार है .

राहुल गांधी ने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन से की मुलाकात

रायसीना डायलॉग 2025 में भाग लेने न्यूजीलैंड के पीएम लक्सन भारत आये हैं . उन्होंने भारत-न्यूजीलैंड संबंधों के और बेहतर होने की बात कही .

एजेंसी

नई दिल्लीः कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन से मुलाकात की. कांग्रेस ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी. न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने भी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात के बाद अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट कर खुशी जतायी. पोस्ट पर लिखा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू न्यूजीलैंड की बहुत अच्छी मित्र हैं. पिछले साल वेलिंगटन में मुलाकात के बाद, मैं नई दिल्ली में उनसे मिलकर खुश हूं।

गजनवी के भतीजे पर योगी का प्रहार

सोमनाथ मंदिर को लूटने वाले मसूद गाजी की याद में संभल में लगने वाला नेजा मेला अब से नहीं लगेगा

हम आपको बता दें कि संभल पुलिस ने नेजा मेला समिति से स्पष्ट किया है कि देश को लूटने वाले व्यक्ति की याद में आयोजित होने वाले कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी जाएगी। पुलिस ने मेले के आयोजन को देशद्रोह बताया है।

एजेंसी

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के प्रयासों से संभल का सच तो सामने आ ही रहा है साथ ही संभल में विदेशी आक्रांताओं की याद में लगने वाला मेला भी अबसे नहीं लगा करेगा। हम आपको बता दें कि संभल में हर साल मसूद गाजी की याद में मेला लगता था जिसमें बड़ी संख्या में मुसलमान भाग लिया करते थे। मसूद गाजी वही आक्रांता है जिसने सोमनाथ मंदिर को लूटा था। संभल जिले में प्रशासन और पुलिस ने महमूद गजनवी के भांजे और सैन्य कमांडर सैयद सालार मसूद गाजी की याद में वार्षिक नेजा मेले के आयोजन को अनुमति देने से इंकार कर दिया है जिसको लेकर राज्य की राजनीति गर्मा गयी है। अखिलेश यादव तो योगी सरकार के इस निर्णय से बौखला गये हैं लेकिन प्रशासन अपने फैसले पर अडिग है ।हम आपको बता दें कि संभल पुलिस ने नेजा मेला समिति से स्पष्ट किया है कि देश को लूटने वाले व्यक्ति की याद में आयोजित होने वाले कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी जाएगी। पुलिस ने मेले के आयोजन को देशद्रोह बताया है। हम आपको बता दें कि नेजा मेला कमेटी के सदस्य सोमवार को कोतवाली में अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) श्रीश चंद्र से मिले, जहां अधिकारी ने साफ शब्दों में सालार मसूद गाजी के नाम पर मेले के आयोजन को अनुमति देने से इनकार कर दिया।

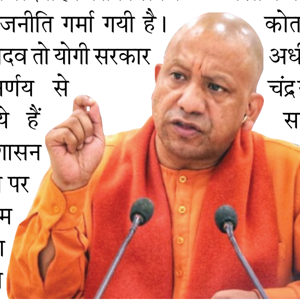

राबड़ी देवी और तेजप्रताप से ईडी की लंबी पूछताछ

लैंड फॉर जॉब घोटाले में राबड़ी देवी और उनके बेटे तेजप्रताप यादव से ईडी अधिकारियों ने करीब 4 घंटों तक पूछताछ की

एजेंसी

आज लालू यादव की बारी, लैंड फॉर जॉब घोटाले में एक्शन

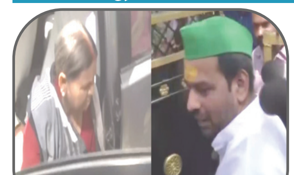

पटनाः लैंड फॉर जॉब स्कैम में ईडी ने लालू परिवार को समन जारी किया है. पूर्व सीएम राबड़ी देवी और पूर्व मंत्री तेजप्रताप यादव को आज तलब किया गया था, जबकि आरजेडी अध्यक्ष लालू यादव को कल पूछताछ के लिए बुलाया गया है. राबड़ी देवी पटना स्थित ईडी के जोनल कार्यालय पहुंची. जहां उनसे 4 घंटे तक ईडी अधिकारियों ने पूछताछ की है. तेजप्रताप भी पहुंचे ईडी दफ्तरः आरजेडी विधायक तेजप्रताप यादव को भी दोपहर 2 बजे तक ईडी कार्यालय बुलाया गया था, वह 12 बजे ही पहुंच गए. उनसे भी लगभग 4 घंटे तक पूछताछ हुई. पूछताछ के बाद दोनों घर के लिए निकल गए.ईडी दफ्तर से बाहर निकलती राबड़ी देवी, तेज प्रताप. साथ में मीसा भारती का बयान ईडी कार्यालय के बाहर कार्यकताओं का जमावड़ा : जब ईडी अधिकारी कार्यालय के अंदर राबड़ी और तेज प्रताप से सवाल जवाब कर रहे थे. बाहर कार्यकताओं की भीड़ लगी थी. आरजेडी के नेता और कार्यकर्ता लगातार नारेबाजी कर रहे थे. राबड़ी और तेज प्रताप जब बाहर निकले तो कार्यकताओं ने लालू यादव जिंदाबाद और तेज-तेजस्वी जिंदाबाद के नारे लगाए।

ममता बनर्जी की लंदन यात्राः ऑक्सफोर्ड के साथ एजसीई और क्वीन मैरी विश्वविद्यालय से भी निमंत्रण, विवादों में घिरी

ममता बनर्जी को ऑक्सफोर्ड, एजसीई और क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी से बोलने का निमंत्रण मिला है, जिस पर राजनीतिक विवाद छिड़ गया है .

एजेंसी

कोलकाताः पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आगामी लंदन यात्रा इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है. ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के केलॉग कॉलेज में उनके संबोधन को लेकर जहां एक तरफ उत्साह है, वहीं विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा इसे फर्जी करार देने पर विवाद भी खड़ा हो गया है.इस बीच, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स और क्वीन मैरी विश्वविद्यालय के माइल एंड इंस्टीट्यूट ने भी मुख्यमंत्री को अपने संस्थानों में बोलने के लिए आमंत्रित किया है. राज्य सचिवालय नबन्ना के अधिकारियों के अनुसार, ये नए निमंत्रण मुख्यमंत्री को लंदन में अपने प्रवास के दौरान अकादमिक समुदाय के साथ चर्चा में भाग लेने का अवसर प्रदान करेंगे।

मांग जयशंकर ने की निष्पक्ष यूएन की मांग

'पाकिस्तान के कश्मीर आक्रमण को विवाद बनाना गलत'

एजेंसी

अपने भाषण के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, कश्मीर संभवत: आज दुनिया का सबसे लंबे समय से चल रहा विवाद है .यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे लम्बे समय तक चलने वाला अवैध कब्जा है . इसके अलावा, पाकिस्तान द्वारा किसी अन्य देश के क्षेत्र पर कब्जा करना, जिसे वैध सरकार (ब्रिटिश सरकार द्वारा नहीं) द्वारा आमंत्रित किया गया था, उनके लिए विवाद का विषय नहीं बना .

नई दिल्लीः 'पाकिस्तान ने कश्मीर पर अवैध रूप से कब्जा कर रखा है. कोई सीमा विवाद नहीं है.' यह कहना है भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर का. मंगलवार को रायसीना डायलॉग में 'सिंहासन और कांटेः राष्ट्रों की अखंडता की रक्षा' सत्र में बोलते हुए उन्होंने कश्मीर के मुद्दे पर पश्चिमी देशों पर निशाना साधा. जय शंकर ने एक मजबूत और निष्पक्ष संयुक्त राष्ट्र की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि जिस तरह किसी देश में कानून न्याय सुनिश्चित करता है, उसी तरह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी न्याय की व्यवस्था होनी चाहिए. विदेश मंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में शिकायत की थी कि यह स्पष्ट रूप से आक्रमण है. लेकिन यह विवाद में बदल गया. सच्चाई क्या थी? क्या दोनों देश एक ही हैं? जयशंकर का कथन यह संकेत देता है कि पश्चिमी देशों ने कथानक को तोड़-मरोड़कर पेश करके तथा भारत के आत्मरक्षा के अधिकार को पाकिस्तान के आक्रामक व्यवहार के समकक्ष स्वीकार करके इसमें योगदान दिया है. उन्होंने कहा, माफ कीजिए, इस बारे में मेरे मन में कुछ प्रश्नचिह्न हैं. इससे उस अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की विश्वसनीयता पर संदेह पैदा हो गया. वैश्विक संगठन की वकालतः जयशंकर ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यवस्था का उतना ही महत्व है जितना किसी देश के घरेलू वातावरण में व्यवस्था का होता है. उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के जारी रहने की आवश्यकता पर बल दिया. उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जिस तरह हमें घरेलू व्यवस्था की जरूरत है, उसी तरह हमें अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की भी जरूरत है. जिस तरह किसी देश के लिए समाज जरूरी होता है, उसी तरह आपको उसके अंतर्राष्ट्रीय संस्करण की भी जरूरत है.

एस जयशंकर ने कहा कि जब चीजें गड़बड़ हो जाती हैं, तो इसका लाभ उन लोगों को मिलता है जो अराजकता का फायदा उठाने के लिए उत्सुक रहते हैं. चाहे देश कितना भी बड़ा या छोटा क्यों न हो. विदेश मंत्री ने कहा कि हमने अपने पड़ोस में देखा है. जोखिम भरा देश होने के लिए आपको बहुत बड़ा देश होने की आवश्यकता नहीं है. सबसे पहले, हम सभी को वास्तव में यह समझना चाहिए कि व्यवस्था का होना कितना महत्वपूर्ण है.

जयशंकर ने पुरानी वैश्विक व्यवस्था की भी आलोचना की और कहा कि यह ताकतवर देशों के हितों की रक्षा करती है. विश्व भर में अनुचित और असंगत नियमों की ओर इशारा करते हुए, जयशंकर ने हस्तक्षेपवाद के बारे में बात की.

टेरर फंडिंग के आरोपी सांसद इंजीनियर रशीद की अंतरिम जमानत याचिका पर सुनवाई टली

राशिद इंजीनियर ने लोकसभा चुनाव 2024 में जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को करीब एक लाख मतों से हराकर जीत हासिल की थी.

एजेंसी

नई दिल्लीः नई दिल्लीः दिल्ली हाईकोर्ट ने टेरर फंडिंग मामले के आरोपी और सांसद इंजीनियर रशीद की संसद सत्र में हिस्सा लेने के लिए दायर अंतरिम जमानत याचिका पर सुनवाई टाल दिया है. जस्टिस प्रतिभा सिंह की बेंच ने दोनों पक्षों के आग्रह पर अगली सुनवाई 25 मार्च को करने का आदेश दिया. इस मामले में एनआईए ने इंजीनियर रशीद की अंतरिम जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि सांसद होने की वजह से उन्हें जेल से बाहर आने की अनुमति नहीं दी जा सकती है. हाईकोर्ट ने 12 मार्च को इंजीनियर रशीद की याचिका पर एनआईए को नोटिस जारी किया था. इंजीनियर रशीद की ओर से पेश वरिष्ठ वकील एन हरिहरन ने कहा था कि इंजीनियर रशीद ने इसके पहले भी संसद सत्र में हिस्सा लेने की अनुमति मांगी थी, लेकिन कोर्ट ने केवल दो दिन संसद के सत्र में हिस्सा लेने की अनुमति दी थी. हरिहरन ने कहा था कि संसद का सत्र 4 अप्रैल तक चलेगा.

उन्होंने कहा कि इंजीनियर रशीद बारामूला से सांसद हैं और बारामूला की आबादी जम्मू-कश्मीर की कुल आबादी का 45 फीसदी है. उन्होंने कहा था कि इतनी बड़ी आबादी का प्रतिनिधित्व खाली नहीं रखा जा सकता है. उन्होंने मांग की थी कि इंजीनियर रशीद को कस्टडी पेरोल पर रिहा किया जाए.

सम्पादकीय

पश्चिमी देशों से खरी-खरी, खालिस्तान समर्थक अतिवादियों की हरकतों पर न्यूजीलैंड के पीएम की दो टूक

स्पष्ट है कि इससे उनका दुस्साहस बढ़ता है। भारत को इन देशों के समक्ष यह स्पष्ट करना होगा कि इस तरह की गतिविधियां सहन नहीं की जा सकतीं। यदि ये देश भारत की चिंताओं को समझने और उनका समाधान करने के लिए तैयार नहीं होते तो कुछ विषयों पर उनसे सहयोग-समर्थन के सिलसिले को आगे बढ़ाने से रोकने पर विचार करना होगा। यह समय की मांग है कि पश्चिमी देशों में खालिस्तान समर्थक अतिवादियों की हरकतों पर इन देशों के नीति-नियंताओं से दो टूक बात की जाए और उनसे उन्हें नियंत्रित करने के लिए भी कहा जाए।इसी सिलसिले में गत दिवस जहां प्रधानमंत्री मोदी ने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री से उनके देश में खालिस्तान समर्थक तत्वों की हरकतों का उल्लेख किया, वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिकी खुफिया प्रमुख तुलसी गबार्ड से कहा कि अमेरिका में खालिस्तान समर्थक चरमपंथियों पर लगाम लगाई जानी चाहिएउन्होंने प्रतिबंधित चरमपंथी संगठन सिख फार जस्टिस के सरगना गुरपतवंत सिंह पन्नू की हरकतों का जिक्र भी किया। भारत को इतने तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। उसे इस पर जोर देना चाहिए कि अमेरिका और न्यूजीलैंड में खालिस्तान समर्थक तत्वों पर वास्तव में लगाम लगे।इन दोनों देशों के अतिरिक्त भारत को ब्रिटेन, कनाडा और आस्ट्रेलिया से भी यह कहना होगा कि यदि उनके यहां खालिस्तान समर्थक तत्व बेलगाम बने रहते हैं तो संबंधों को आगे बढ़ाने में कठिनाई होगी।इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि ये पांचों देश आइ-5 नामक उस संगठन के सदस्य हैं, जो अपनी खुफिया सूचनाएं साझा करते हैं। क्या यह महज एक दुर्योग है कि इन पांचों देशों में खालिस्तान समर्थक तत्व कुछ ज्यादा ही बेलगाम हैं ?समस्या केवल यह नहीं कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर पश्चिमी देशों में खालिस्तान की पैरवी करने वाले भारत के खिलाफ विषवमन करते रहते हैं, बल्कि यह भी है कि ये देश उनकी अराजक गतिविधियों की अनदेखी भी करते हैं।यह किसी से छिपा नहीं कि इन देशों में खालिस्तान समर्थक कभी हिंदू मंदिरों को निशाना बनाते हैं, कभी भारतीय राजनयिकों को निशाने पर लेते हैं और कभी भारतीय ध्वज का निरादर करते हैं।भारत की आपत्ति पर ये देश इस तरह की घटनाओं पर चिंता तो व्यक्त करते हैं, लेकिन जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कभी ठोस कार्रवाई नहीं करते। स्पष्ट है कि इससे उनका दुस्साहस बढ़ता है।भारत को इन देशों के समक्ष यह स्पष्ट करना होगा कि इस तरह की गतिविधियां सहन नहीं की जा सकतीं। यदि ये देश भारत की चिंताओं को समझने और उनका समाधान करने के लिए तैयार नहीं होते तो कुछ विषयों पर उनसे सहयोग-समर्थन के सिलसिले को आगे बढ़ाने से रोकने पर विचार करना होगा।

आज का विचार

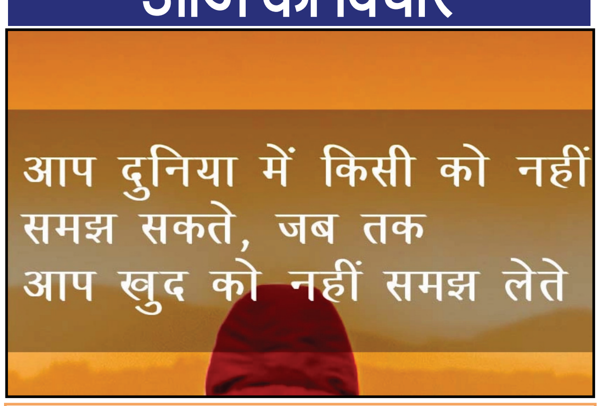

मेष राशि : मेष राशि के जातकों के लिए कल दिन इनकम के सोर्सो को बढ़ाने वाला रहेगा. व्यापार में आपको प्रसन्नता मिलने से खुशी होगी. आपको गले से संबंधित कोई समस्या हो सकती है. आप परिवार में किसी सदस्य के प्रति अपने मन में कोई ईर्ष्या द्वेष की भावना ना रखें.

वृषभ राशि : वृषभ राशि के जातकों के लिए कल दिन इन्कम को बढ़ाने वाला रहेगा. परिवार में किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा दूर होगी. कार्यक्षेत्र में आपको मन मुताबिक काम मिलने से आपकी प्रसन्नता का ठिकाना नहीं रहेगा, लेकिन तो आपको पेट दर्द, गैस, अपने आदि जैसी समस्या हो सकती है.

मिथुन राशि : मिथुन राशि के जातकों के लिए कल दिन जिम्मेदारी भरा रहने वाला है. आपको अपनी वाणी व व्यवहार पर संयम रखने की आवश्यकता है. कुछ नए लोगों से आपकी मुलाकात होंगी. आपको शीघ्रता व भावुकता में कोई निर्णय लेने से बचना होगा. आपकी किसी नए काम के प्रति रुचि जागृत हो सकती है.

कर्क राशि : कल का दिन आपके लिए समस्याओं भरा रहने वाला है. यदि आपने पार्टनरशिप में किसी काम को करने का सोचा है, तो उसके लिए आप पूरी जांच पड़ताल करें. माताजी आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकती हैं.

सिंह राशि : कल का दिन आपके लिए मौज मस्ती भरा रहने वाला है. आपको बेवजह की अफवाहों से दूर रहने की आवश्यकता है और आप किसी से बातचीत बहुत ही देखभाल कर करें. आपको कोई पुरस्कार मिल सकता है.

कन्या राशि : कन्या राशि के जातकों के लिए कल दिन सामान्य रहने वाला है. वैवाहिक जीवन मे खुशनुमा रहेगी. कल आप अपने पारिवारिक मामलों को घर से बाहर न जाने दें. आप किसी सामाजिक आयोजन में बढ चढ़कर हिस्सा लेंगे. आपका कोई काम यदि धन को लेकर रुका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है.

तुला राशि : कल का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा. आपको बेवजह किसी बात को लेकर क्रोध करने से बचना होगा. कार्य क्षेत्र में आपको कोई पुरस्कार मिलने से आपका मान सम्मान बढेगा. प्रेम जीवन जी रहे लोगों की आपसे अंडरस्टैंडिंग अच्छी रहेगी

वृश्चिक राशि : वृश्चिक राशि के जातकों के लिए कल दिन धन-धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है. भाग्य का आपको पूरा साथ मिलेगा. आपका किसी काम का पूरा होने में भी समस्या आ रही थी, तो वह भी आसानी से पूरा हो सकता है. आप अपने लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने की कोशिश में लगे रहेंगे.

धनु राशि : कल का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है. किसी संपत्ति संबंधित वाद विवाद में आपको जीत मिलेगी. आपको अपने आवश्यक खर्चों की पूरी जांच पड़ताल करनी होगी. ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से आपकी किसी बात को लेकर कहा सुनी हो सकती है.

मकर राशि : मकर राशि के जातकों के लिए कल दिन मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है. आप किसी से बेवजह वाद विवाद में ना पड़े, नहीं तो समस्या हो सकती है. कामों को लेकर आप जल्दबाजी न दिखाएं बल्कि सावधानी बरतें.

कुंभ राशि : कुंभ राशि के जातकों के लिए कल दिन उत्तम रुप से फलदायक रहने वाला है. यदि आपको धन संबंधित कोई सलाह मिले, तो आप उसे पर अमल बिल्कुल ना करें.

मीन राशि : मीन राशि के जातकों के लिए कल दिन तनावग्रस्त रहने वाला है. कार्य क्षेत्र में आपको कोई बड़ी उपलब्धि मिलेगी. निजी जीवन में समस्याएं बढ़ सकती हैं. जीवनसाथी के साथ आप मेल जोल से आगे बढ़ेंगे. माताजी से किए हुए वादे को आप पूरा करने की पूरी कोशिश करेंगे. ससुराल पक्ष के लोगों से आप मेल मिलाप कराने जा सकते हैं. यदि आपके ऊपर कुछ कर्जा था

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

बिखराव की राह पर बसपा, बहुजन वाली राजनीति अब स्वजनों की महत्वाकांक्षा में फंस गई

> पूरा घटनाक्रम यही संकेत दे रहा है कि बसपा पर वर्चस्व को लेकर उनके स्वजनों में सत्ता संघर्ष चल रहा है। कहना मुश्किल है कि इस सत्ता संघर्ष में कितने मोड़ आएंगे और आखिर में हाथी की राजनीति किस करवट बैठेगी लेकिन बहुजन को गोलबंद कर भारतीय राजनीति का नक्शा बदलने का कांशीराम का सपना बिखरता नजर आ रहा है।

लगभग तीन दशक पहले जिस बहुजन समाज पार्टी यानी बसपा की राजनीति ने देश को चौंकाया था, वह मायावती के स्वजनों की महत्वाकांक्षा में फंसकर रह गई लगती है। बसपा संस्थापक कांशीराम ने बहुजन समाज की राजनीति पर बल दिया था। मायावती की मेहनत ने उसे सत्ता-सिंहासन तक भी कई बार पहुंचाया, लेकिन अब उनकी राजनीति स्वजनों के दायरे से बाहर नहीं देखती।उत्तराधिकार को लेकर स्वजनों में सत्ता संघर्ष के बीच मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को बाहर का रास्ता दिखाते हुए अपने भाई आनंद कुमार तथा राज्यसभा सदस्य रामजी गौतम को नेशनल कोआर्डिनेटर नियुक्त किया, पर फिर आनंद कुमार की जगह सहारनपुर निवासी रणधीर बेनीवाल को नेशनल कोआर्डिनेटर बना दिया।2 मार्च को आकाश आनंद को सभी पदों और जिम्मेदारियों से मुक्त कर आनंद कुमार और रामजी गौतम को नेशनल कोआर्डिनेटर नियुक्त करते हुए मायावती ने स्पष्ट किया कि मेरा कोई उत्तराधिकारी नहीं होगा। सभी पदों और जिम्मेदारियों से मुक्त करने पर प्रतिक्रिया में आकाश ने एक्स हैंडल पर जो पोस्ट किया, उससे खफा होकर मायावती ने उन्हें बसपा से ही निकाल दिया और कहा कि आकाश को पश्चाताप करके अपनी परिपक्वता दिखानी थी, लेकिन उसने जो

प्रतिक्रिया दी, वह राजनीतिक मैच्योरिटी नहीं है। वह अपने ससुर के प्रभाव में स्वार्थी और अहंकारी हो गया है।आकाश ने टिप्पणी की थी कि बहन जी का हर फैसला मेरे लिए पत्थर की लकीर जैसा है। मैं उनके हर फैसले के साथ खड़ा हूं। परीक्षा कठिन और लड़ाई लंबी है। बहुजन मिशन और मूवमेंट के एक सच्चे कार्यकर्ता की तरह मैं पार्टी और मिशन के लिए पूरी निष्ठा से काम करता रहूंगा। आखिरी सांस तक अपने समाज के हक की लड़ाई लड़ता रहूंगा। इस टिप्पणी में मायावती को चुनौती के तेवर दिखे।मायावती की अस्थिर राजनीति के मद्देनजर भविष्य का आकलन आसान नहीं, पर घटनाक्रम बताता है कि कभी बहुजन के नाम पर शुरू राजनीति अब स्वजनों की महत्वाकांक्षा और सत्ता संघर्ष में फंस गई है। बेशक मायावती ने दावा किया कि उनके लिए पार्टी और आंदोलन सबसे पहले है, परिवार और रिश्ते बाद में, लेकिन अभी तक का उनका आचरण उसके उलट ही नजर आता है।सत्ता-गलियारों में प्रवेश करने वाली बसपा ने शायद ही कोई दल हो, जिससे दोस्ती न की हो। बाकी दल भी सत्ता के खेल में पाक दामन नहीं है, लेकिन वे मूवमेंट होने का दावा भी नहीं करते। उत्तर प्रदेश में सत्ता की मुख्य खिलाड़ी रही बसपा कई राज्यों में सत्ता के समीकरण बनाने-बिगाड़ने की हैसियत में पहुंच गई थी, लेकिन फिर वह लगातार सिकुड़ती गई।बसपा में कभी किसी नेता को नंबर दो की हैसियत नहीं मिली। किसी ने वैसी गलतफहमी पाली तो उसे बाहर का रास्ता देखना पड़ा। सतीश चंद्र मिश्र इस मामले में अपवाद नजर आते हैं, पर पुराने दिग्गज बसपा की दुर्दशा का सबसे बड़ा कारण उन्हें ही मानते हैं। कभी कांशीराम या मायावती के विश्वस्त माने गए आरके चौधरी, नसीमुद्दीन, स्वामी प्रसाद मौर्य और इंद्रजीत सरोज सरीखे नेता, जो अब दूसरे दलों में हैं, बसपा के पतन का कारण बहुजन से भटक कर धनवानों और स्वजनों की पार्टी बन जाना भी मानते हैं।मायावती के छोटे भाई आनंद कुमार काफी समय से बसपा में सक्रिय हैं, लेकिन भतीजे आकाश पहली बार 2017 में सहारनपुर की रैली में अपनी बुआ के साथ दिखे। 2019 में आकाश को नेशनल कोआर्डिनेटर बना दिया गया। तब 2019 के लोकसभा चुनाव में हुआ सपा और बसपा का गठबंधन टूट गया था। लंदन से एमबीए करने वाले आकाश की शादी बसपा के पूर्व राज्यसभा सदस्य अशोक सिद्धार्थ की बेटी प्रज्ञा से हुई है।मायावती ने 12 फरवरी को अशोक सिद्धार्थ और उनके करीबी नितिन सिंह को अनुशासनहीनता और गुटबाजी के आरोप में बसपा से निकाल दिया था। उन्होंने 16 फरवरी को आकाश को भी अल्टीमेटम दिया था कि बसपा का वास्तविक उत्तराधिकारी वही होगा, जो कांशीराम की तरह हर दुख-तकलीफ उठा कर पार्टी के लिए आखिरी सांस तक जी-जान लगा कर लड़े और पार्टी मूवमेंट को आगे बढ़ाता रहे।आकाश को मायावती ने लगभग सवा साल में दो बार अपना उत्तराधिकारी घोषित किया और हटाया। सबसे पहले 10 दिसंबर, 2023 को आकाश को उत्तराधिकारी बनाया गया, लेकिन भाजपा के विरुद्ध एक तीखे बयान के चलते लोकसभा चुनाव के बीच ही मई, 2024 में उनसे सभी जिम्मेदारियां वापस ले लीं। लोकसभा चुनाव समाप्त होने पर आकाश को फिर से नेशनल कोऑर्डिनेटर नियुक्त करते हुए उत्तराधिकारी घोषित कर दिया गया, लेकिन दो मार्च को फिर सभी पदों से मुक्त कर तीन मार्च को बसपा से भी बाहर का रास्ता दिखा दिया गया।पूरा घटनाक्रम यही संकेत दे रहा है कि बसपा पर वर्चस्व को लेकर उनके स्वजनों में सत्ता संघर्ष चल रहा है। कहना मुश्किल है कि इस सत्ता संघर्ष में कितने मोड़ आएंगे और आखिर में हाथी की राजनीति किस करवट बैठेगी, लेकिन बहुजन को गोलबंद कर भारतीय राजनीति का नक्शा बदलने का कांशीराम का सपना बिखरता नजर आ रहा है। पुराने नेताओं के साथ ही वोट बैंक भी बिखर कर भाजपा, सपा और कांग्रेस की ओर जा रहा है। इन दलों ने बसपा के वोट बैंक पर निगाह भी जमा दी है।

महिलाओं की बढ़ती वित्तीय भागीदारी

विजय गर्ग

भारतीय अर्थव्यवस्था में हाल के वर्षों में कई महत्त्वपूर्ण बदलाव देखने को मिले हैं, जिनमें से एक है 'महिलाओं की वित्तीय बाजार में बढ़ती भागीदारी। शेयर बाजार में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है, जो देश के आर्थिक और सामाजिक परिदृश्य में परिवर्तन को दशार्ता है। यह बदलाव स्मार्टफोन की व्यापक पहुंच, डिजिटल कोराबार मंचों की सहजता और वित्तीय साक्षरता में तेजी से हो रही वृद्धि के कारण संभव हुआ है। पहले जहां महिलाएं पारंपरिक बचत साधनों तक ही सीमित थीं, वहीं अब वे शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड और इक्विटी जैसे निवेश विकल्पों को अपना कर धन-संपदा बढ़ाने की दिशा में अहम योगदान दे रही हैं। इससे न केवल उनकी आर्थिक स्वतंत्रता परिलक्षित होती है, बल्कि वित्तीय समावेशन और समानता की दिशा में भी मजबूत कदम है।

नेशनल स्टाक एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, भारत में महिला निवेशकों की संख्या 22 फीसद से अधिक हो गई है, जो वर्ष 2015 के मुकाबले 6.8 गुना अधिक है। यह वृद्धि इस बात का प्रमाण है कि महिलाएं अब निवेश के क्षेत्र में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं। भारतीय स्टेट बैंक की एक रपट में भी इस बदलाव की पुष्टि की गई है। इसमें बताया गया है कि 2021 से हर साल औसतन तीन करोड़ नए डीमैट खाते खोले जा रहे हैं, जिनमें से लगभग हर चौथा खाता महिला निवेशक के नाम पर है। यह बदलाव दशार्ता है कि महिलाएं न केवल वित्तीय निर्णय लेने में सक्षम हो रही बल्कि जोखिम प्रबंधन और धन सृजन में भी बड़ी भूमिका निभा रही हैं। अक्तूबर 2023 तक के आंकड़ों अनुसार देश में कुल 10.55 करोड़ व्यक्तिगत निवेशकों में से 2.52 करोड़ महिलाएं हैं, जो कुल हिस्सेदारी का लगभग 23.9 फीसद है। निवेशकों के पंजीकरण के मामले में महाराष्ट्र तमिलनाडु, गुजरात और केरल जैसे राज्यों में महिला निवेशकों की हिस्सेदारी 27 फीसद तक है, जबकि दिल्ली में यह आंकड़ा 29.8 फीसद तक पहुंच गया है। गोवा में महिला निवेशकों का हिस्सा सबसे अधिक, 32 फीसद दर्ज किया गया है। यह वृद्धि केवल महानगरों तक सीमित नहीं है, छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों में भी महिलाएं निवेश के प्रति जागरूक हो हो रही हैं।

महिलाओं की वित्तीय स्वायत्तता का प्रमाण हालिया अध्ययनों से पता चलता है। 47 फीसद महिलाएं अपने वित्तीय निर्णय स्वयं ले रही हैं। इस स्वायत्तता ने म्यूचुअल फंड और इक्विटी में उनकी भागीदारी को और मजबूत किया है। पिछले पांच वर्षों में भारत की महिला श्रमशक्ति भागीदारी 24.5 फीसद से बढ़ कर 41.7 फीसद हो गई है, जो न केवल आर्थिक, बल्कि सामाजिक दृष्टि से भी एक बड़ा बदलाव है। वर्ष 2019 से 2024 के बीच कामकाजी महिलाओं की संख्या में भी जबर्दस्त इजाफा हुआ है। यह संख्या 11 करोड़ से बढ़ कर 21 करोड़ तक पहुंच गई है, जो महिलाओं के बढ़ते आत्मविश्वास और सशक्तीकरण का परिचायक है।इस परिवर्तन के पीछे एक प्रमुख कारण उच्च शिक्षा में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी है। वर्ष 2015 में जहां 1.57 करोड़ महिलाएं उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही थीं, वहीं 2022 तक यह संख्या 2.07 करोड़ हो गई है, जो 31.6 फीसद की वृद्धि को दशार्ता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति और डिजिटल साक्षरता अभियानों ने महिलाओं को आधुनिक कौशल से लैस किया है, जिससे वे अधिक आत्मनिर्भर बनी और वित्तीय निर्णय लेने में सक्षम हो पाई हैं।

महिलाओं की बढ़ती वित्तीय भागीदारी का प्रभाव ग्रामीण इलाकों में भी देखा जा सकता है। डिजिटल तकनीक और आनलाइन निवेश मंचों की सुलभता ने महिलाओं के लिए शेयर बाजार प्रवेश को आसान बना दिया है। साथ ही, पिछले कुछ वर्षों में सरकार और निजी संस्थानों द्वारा वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए चलाए गए अभियानों ने भी महिलाओं को आर्थिक निर्णय लेने में अधिक सक्षम बनाया है। इस बदलाव के संदर्भ में नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस का कथन उल्लेखनीय है, 'गरीबी इतिहास के संग्रहालय का हिस्सा बन सकती है, यदि महिलाओं को वित्तीय रूप से सशक्त बनाया जाए।' महिलाओं की बढ़ती आर्थिक भूमिका इस विचार को साकार करने की दिशा में एक मजबूत कदम है। महिलाओं का वित्तीय समावेशन देश की आर्थिक प्रगति के लिए एक महत्त्वपूर्ण कारक बन गया है। बैंकिंग और अन्य संगठित वित्तीय क्षेत्रों में उनकी सक्रिय भागीदारी से न केवल पारिवारिक बचत दर में वृद्धि हुई है, बल्कि यह विविध और स्थिर निवेश के अवसरों को भी बढ़ावा देता है। पहले महिलाएं वित्तीय फैसलों में झिझकती थीं, पर अब वे निवेश के विभिन्न साधनों से अपने धन को बढ़ाने में सक्रियता दिखा रही हैं।

माइक्रो फाइनेंस संस्थान के आंकड़े बताते हैं कि महिलाएं अपनी निवेश योग्य संपत्ति का लगभग 51 फीसद 'फिक्स्ड डिपाजिट' और बचत खातों में रखती हैं, जबकि सोना और जमीन-जायदाद जैसे सुरक्षित निवेश विकल्पों में भी उनकी मजबूत उपस्थिति है। हालांकि, अब वे दीर्घकालिक लाभ को पहचानते हुए इक्विटी निवेश की ओर भी आकर्षित हो रही हैं। यह प्रवृत्ति न केवल उनके व्यक्तिगत सशक्तीकरण के लिए, बल्कि देश के समग्र आर्थिक विकास के लिए भी लाभकारी है।विडंबना है कि देश में एक प्रमुख चुनौती कार्यस्थल पर वेतन असमानता की है। भारत में महिलाओं को परुषों की को पुरुषों की तुलना में में औसतन 19 फीसद कम वेतन मिलता है, जिससे उनके निवेश योग्य धन की मात्रा सीमित हो जाती है। इसके अतिरिक्त, पारंपरिक मानसिकता के कारण महिलाओं को उच्च जोखिम वाले निवेश से दूर रहने की सलाह दी जाती है, जिससे वे अपेक्षाकृत सुरक्षित, लेकिन कम लाभ देने वाले विकल्पों तक सीमित रह जाती हैं। अब समय आ गया है कि महिलाओं की वित्तीय साक्षरता को और अधिक बढ़ावा दिया जाए और उन्हें निवेश के उन्नत विकल्पों के बारे में जागरूक किया जाए। सरकार और निजी क्षेत्र को मिल कर ऐसी पहल करनी चाहिए, जिससे महिलाओं को आर्थिक रूप से अधिक स्वतंत्र बनाया जा सके। स्वयं सहायता समूहों, माइक्रो फाइनेंस और डिजिटल वित्तीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को सही निवेश रणनीतियों की जानकारी दी जाए।

जब महिलाओं की वित्तीय स्वतंत्रता केवल उनकी व्यक्तिगत समृद्धि तक सीमित नहीं है

मानवाधिकार प्रयासों को द्रुत गति देने की गंभीर आवश्यकता

संजीव ठाकुर

मानवाधिकारों को सुनिश्चित करने की बढ़ती हुई आवश्यकता सीधा-सीधा शिक्षा तथा जागृति से जुड़ी हुई है इसके बिना न तो व्यक्तित्व का विकास संभव है और ना ही जीवन यापन की किसी भी पहलू की अंतर्निहित प्रक्रिया ही पूरी होती दिखाई दे रही है मानवाधिकार के अभाव में जनतंत्र और लोकतंत्र की कल्पना ही निरर्थक है। महिला शिक्षा तथा जागरूकता के अभाव में देश में सर्वाधिक मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाओं की शिकार महिलाएं तथा बच्चे ही हैं। अंतरराष्ट्रीय संगठन ऑफ ह्यूमन राइट्स वॉच की लगभग 175 देशों में मानवाधिकार की स्थिति का जायजा लेने वाली रिपोर्ट में भारत के संदर्भ में कहा गया है कि यहां महिलाओं तथा बच्चों आदिवासियों के मानव अधिकार से जुड़ी समस्याएं बहुत ज्यादा विकट विकृत और विकराल है। मानवाधिकार के बारे में जानकारी सीधे-सीधे किसी भी देश की शिक्षा, संस्कृति से जुड़ा हुआ सवाल है। देश के बहुत बड़े भूभाग में जहां आदिवासी और उनकी महिलाएं तथा बच्चे निवास करते हैं, वहां शिक्षा के अभाव में मानवाधिकार की कल्पना भी करना एक दुष्कर कार्य है। मानवाधिकार का संदर्भ सीधा सीधा किसी भी देश के शैक्षिक स्तर से जुड़ा हुआ है। भारत देश में मानवाधिकार संरक्षण इसलिए भी काफी पिछड़ा है क्योंकि सभी जिलों में मानव अधिकार आयोग एवं मानवाधिकार संबंधी जागरूकता का ना होना है, और नागरिकों का शिक्षा के प्रति लगाओ ना होना ही है। मानवाधिकार मूलभूत अधिकार हैं। मानवाधिकार के अंतर्गत जीवन जीने का अधिकार शिक्षा का अधिकार, जीविकोपार्जन का अधिकार ,वैचारिक स्वतंत्रता का अधिकार, समानता का अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, निजता का अधिकार, जैसे मूलभूत अधिकार शामिल है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व के अधिकांश देशों में अधिकार संविधान द्वारा नागरिकों को प्रदान किए गए हैं।भारत में भी संविधान के भाग 3 के अनुच्छेद 14 से लेकर 35 तक नागरिकों को विभिन्न प्रकार के अधिकार दिए गए हैं। पूरे विश्व में मानवाधिकार को सुरक्षित सुरक्षित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एमनेस्टी इंटरनेशनल एक संस्था है जिसका मुख्यालय ब्रिटेन के लंदन शहर में स्थित है।वैसे तो मानवाधिकार की अवधारणा के इतिहास बहुत पुराना है। पर नवीन संदर्भों में इसकी अवधारणा द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विकसित हुई है। वर्ष 1948 में संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा ने मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को स्वीकृत किया था। मानव अधिकार का उल्लेख प्राचीन भारतीय ग्रंथों में जैसे मनुस्मृति, हितोपदेश, पंचतंत्र, प्राचीन यूनानी दर्शन आदि में भी मिलता है। 1215 में इंग्लैंड में जारी किए गए मैग्नाकार्टा में नागरिक अधिकारों का विस्तृत उल्लेख तथा वर्णन है, पर उन अधिकारों को मानवाधिकार की संज्ञा नहीं दी जा सकती है। बहुत महत्वपूर्ण 1789 में फ्रांस की क्रांति के बाद वहां की राष्ट्रीय सभा ने नागरिकों के अधिकारों की घोषणा की थी। फल स्वरूप विश्व में समानता उदारता बंधुत्व के विचारों को बल मिलना शुरू हुआ, 19वीं शताब्दी में ब्रिटेन एवं अमेरिका में दास प्रथा की समाप्ति के लिए कानून बने। बीसवीं शताब्दी के आते-आते मानव अधिकारों को लेकर कई विश्वयापी सामाजिक परिवर्तन हुए जिसके अंतर्गत बालश्रम का विरोध एवं विभिन्न देशों में महिलाओं को चुनाव में मतदान का अधिकार प्राप्त हुआ। 1864 में जेनेवा समझौता से अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार सिद्धांतों को ताकत प्राप्त हुई। संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना के साथ साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानव अधिकार को मान्यता प्राप्त हुई।

नागपुर हिंसा प्री प्लान्ड थी, देवेंद्र फडणवीस का दावा- 50 लोग अरेस्ट, कई इलाकों में कर्फ्यू

मणिपुर बनाने की साजिश... नागपुर हिंसा पर आदित्य ठाकरे के बयान ने मचाया तहलका

आदित्य ठाकरे ने कहा कि मुझे यह जानना है कि मुख्यमंत्री कार्यालय से कोई रिएक्शन क्यों नहीं आया जब अफवाहे फैलने लगी थी, जब किसी शहर में ऐसी घटना होती और यह तो मुख्यमंत्री का शहर है वे मुख्यमंत्री भी हैं और गृह मंत्री भी हैं ... कभी भी ऐसी घटना होती है तो पहला मैसेज सीएमओ, गृह विभाग को आता है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई , नागपुर हिंसा पर शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि भाजपा इस मामले में बेशर्म है क्योंकि यह घटना महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के गृहनगर में हुई है। दुख की बात है कि जब भाजपा शासन नहीं कर पाती है, तो वे हिंसा, दंगे का सहारा लेते हैं और हर राज्य में यही उनका तय फॉमूर्ला है। अगर आप मणिपुर को देखें, तो वे महाराष्ट्र को भी यही बनाना चाहते हैं। वे 300-400 साल पहले जीने वाले किसी व्यक्ति का इतिहास खोदने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे भविष्य के बारे में नहीं बोल सकते। वे वर्तमान के बारे में नहीं बोल सकते। विडंबना यह है कि कब्र की रक्षा केंद्र सरकार करती है ।आदित्य ठाकरे ने कहा कि मुझे यह जानना है कि मुख्यमंत्री कार्यालय से कोई रिएक्शन क्यों नहीं आया जब अफवाहे फैलने लगी थी, जब किसी शहर में ऐसी घटना होती और यह तो मुख्यमंत्री का शहर है वे मुख्यमंत्री भी हैं और गृह मंत्री भी हैं... कभी भी ऐसी घटना होती है तो पहला मैसेज सीएमओ, गृह विभाग को आता है। दोनों उनके पास हैं तो क्या उन्हें पता नहीं था कि यह घटना होने वाली है। मेरा अंदाजा यही है कि भाजपा को महाराष्ट्र का मणिपुर बनाना है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने नागपुर हिंसा पर कहा कि मैं मुख्यमंत्री नहीं हूं, न ही मैं गृह मंत्री हूं, मुख्यमंत्री को पूछिए कि इसके पीछे कौन है ? क्योंकि आरएसएस का मुख्यालय वहां है। यहां डबल इंजन सरकार है, अगर डबल इंजन सरकार विफल है तो इन्हें इस्तीफा देना चाहिए।

औरंगजेब की कब्र के खिलाफ प्रदर्शन के बाद हिंसा के संबंध में 50 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है और नागपुर के कुछ हिस्सों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। वहीं, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दावा किया कि हिंसा पूर्व नियोजित थी।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई / नागपुरः औरंगजेब की कब्र के खिलाफ प्रदर्शन के बाद हिंसा के संबंध में 50 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है और नागपुर के कुछ हिस्सों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। वहीं, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दावा किया कि हिंसा पूर्व नियोजित थी। फडणवीस ने कहा कि फिल्म छावा से लोगों की भावनाएं उमड़ी हैं। इसमें संभाजी महाराज के खिलाफ औरंगजेब की ओर से किए गए क्रूर अत्याचारों को दशार्या गया है। नागपुर के पुलिस आयुक्त रविन्द्र कुमार सिंघल ने बताया कि हिंसा के सिलसिले में पांच एफआईआर दर्ज की गई है।

नागपुर में औरंगजेब की कब्र के खिलाफ प्रदर्शन में हिंसा भड़की

नागपुर में कैसे भड़की हिंसा?

अधिकारियों ने बताया कि सोमवार की रात साढ़े सात बजे के करीब मध्य नागपुर में हिंसा भड़क गई और पुलिस पर पथराव किया गया। उन्होंने बताया कि यह हिंसा इस अफवाह के बाद फैली कि औरंगजेब की कब्र हटाने के लिए एक दक्षिणपंथी संगठन की ओर से किए जा रहे प्रदर्शन के दौरान एक समुदाय के धार्मिक ग्रंथ को जला दिया गया। पुलिस के अनुसार, पुराने भंडारा रोड के पास हंसपुरी इलाके में रात साढ़े 10 से साढ़े 11 बजे के बीच एक और झड़प हुई। अनियंत्रित भीड़ ने कई वाहनों को जला दिया और इलाके में घरों तथा एक क्लिनिक में तोड़फोड़ की।

- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने हिंसा को पूर्व नियोजित बताया
- बाहरी तत्वों पर आरोप लगाते हुए शांति की अपील की गई

हिंसा में 34 पुलिसकर्मी घायल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और नागपुर के प्रभारी मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने मंगलवार को नागपुर के एक अस्पताल में घायल पुलिसकर्मियों से मिलने के बाद बताया कि हिंसा में 34 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि माहौल को खराब करने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया गया और गृह विभाग की ओर से कोई चूक नहीं हुई। क्योंकि पुलिस हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच (हिंसा के दौरान) ढाल बनकर खड़ी रही। इसमें कई पुलिसकर्मी भी घायल हुए।

फास्ट ट्रैक

दिल्ली पुलिस को जल्दी जांच का आदेश, गिरफ्तारी पर रोक बढ़ाई

महाराष्ट्र कैडर की पूर्व कअर प्रशिक्षु अधिकारी पूजा खेड़कर को सुप्रीम कोर्ट से अस्थायी राहत मिली है। दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाई थी, उसे अब और बढ़ा दिया गया है। पूजा खेडकर पर UPSC परीक्षा के लिए जाली दस्तावेज बनाने का आरोप लगा है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : पूर्व कअर प्रशिक्षु अधिकारी पूजा खेड़कर को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर लगी रोक को आगे बढ़ा दिया है। पूजा पर आरोप है कि उन्होंने 2022 की UPSC परीक्षा पास करने के लिए जाली दस्तावेज बनाए थे। उनके ऊपर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही थी लेकिन उन्हें सुप्रीम कोर्ट से स्टे मिल गया था।इस स्टे को और आगे बढ़ा दिया गया है ।जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने दिल्ली पुलिस को मामले की जांच जल्दी करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने पूछा कि जांच क्यों आगे नहीं बढ़ रही है ? खासकर तब, जब पूजा ने खुद हलफनामे में जांच में सहयोग करने की बात कही है ।जस्टिस नागरत्ना ने दिल्ली पुलिस का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू से कहा कि वे जांच को गंभीरता से आगे बढ़ाएं। सुप्रीम कोर्ट ने पूजा की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई 15 अप्रैल को तय की है ।मंगलवार को सुनवाई के दौरान अरऋ राजू ने कहा कि पूजा से हिरासत में पूछताछ जरूरी है। ऐसा इसलिए है ताकि वढरउ उम्मीदवारों द्वारा जमा किए गए फर्जी दस्तावेजों के एक बड़े घोटाले का पता लगाया जा सके। उन्होंने कहा क हमें पता चला है कि यह एक घोटाला है जिसमें वे लोग शामिल हो सकते हैं जो प्रमाण पत्र देने में शामिल हैं। हम जांच करना चाहते हैं कि क्या यह एक अकेला मामला है या ऐसे और भी मामले हैं ।पूजा खेडकर से सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा ?सुप्रीम कोर्ट ने माना कि कथित तौर पर जाली प्रमाण पत्र के स्त्रोत की पहचान करना जरूरी है। लेकिन कोर्ट ने यह भी कहा कि इसके लिए पूजा को हिरासत में रखने की जरूरत नहीं है। पूजा के वकील ने जाली दस्तावेज के आरोपों का खंडन किया। उन्होंने बताया कि 2018 में उन्हें कम दिखाई देने की समस्या का पता चला था। इसके बाद से उन्होंने तीन बार UPSC परीक्षा दी है। वकील ने तर्क दिया कि एक विकलांग उम्मीदवार के तौर पर उनके प्रयास अभी खत्म नहीं हुए हैं।

नवी मुंबई में मेरा पसंदीदा सिडको घर पर विवाद, आवंटियों का आरोप- बड़े एरिया का पेमेंट लिया, अलॉट किए छोटे फ्लैट

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : मुंबई में 'मेरा पसंदीदा सिडको घर' योजना पचड़े में फंस गई है। आरोप है कि सिडको ने योजना में जो विज्ञापन निकाला और अब लोगों को जो फ्लैट देने जा रही है, वह अलग है। लोगों से बड़े फ्लैट की रकम ली गई और बदले में उन्हें छोटे फ्लैट दिए जा रहे हैं। महाराष्ट्र के पूर्व विधायक और शरद पवार की एनसीपी के नेता संदीप नाइक ने इस मामले में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजीत पवार को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग भी की है ।घर खरीदारों ने नवी मुंबई में सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (सिडको) की नवीनतम आवास योजना- माई प्रिफर्ड होम स्कीम में घर बुक किए। अब लोगों को वादे के आकार से छोटे फ्लैट दिए जा रहे हैं ।पहले भी आई शिकायतेंसंदीप नायर ने शिकायत में कहा है कि सिडको मूल विज्ञापित आकार के अनुसार अपार्टमेंट आवंटित करे। विज्ञापनों के अनुसार योजना के तहत अपार्टमेंट 322 वर्ग फुट के रूप में सूचीबद्ध थे। आवेदक पहले से ही सिडको घरों की ऊंची कीमतों से असंतुष्ट थे। फ्लैटों के वास्तविक कालीन क्षेत्र में विसंगतियों के बारे में नई शिकायतें सामने आई हैं।

औरंगजेब की कब्र तोड़कर, शिवाजी की वीरता को मिटाना चाहती है बीजेपी': नागपुर हिंसा पर बोले, संजय राउत

नागपुर हिंसा को लेकर संजय राउत ने देवेंद्र फडणवीस पर साधा निशाना. बताया कि, महाराष्ट्र में क्यों कराए जा रहे हैं दंगे?

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

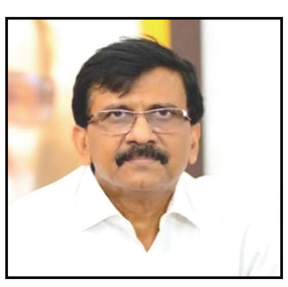

मुंबईः महाराष्ट्र में औरंगजेब विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है. नागपुर के महाल इलाके में सोमवार 17 मार्च की रात दो गुटों के बीच हुई हिंसक झड़प हो गयी. इसके बाद राज्य में राजनीतिक माहौल गरमा गया. शिव सेना उद्धव ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने फडणवीस सरकार पर सीधा हमला बोला. उन्होंने सवाल उठाया कि, प्रदेश में दंगे क्यों कराए जा रहे हैं, दंगों की प्रेरणा कौन दे रहा है और दंगे क्यों भड़काए जा रहे हैं, यह शोध का विषय है.मुख्यमंत्री के क्षेत्र में दंगाः संजय राउत, मंगलवार को मुंबई में पत्रकारों से बात कर रहे थे. उन्होंने कहा कि कुछ लोग औरंगजेब के नाम पर इस राज्य में हिंदू-मुस्लिम दंगे भड़का रहे हैं. वो कह रहे हैं कि हम बाबरी की तरह महाराष्ट्र में औरंगजेब की कब्र को भी तोड़ देंगे. सरकार आपकी है, नरेंद्र मोदी, देवेंद्र फडणवीस आपके हैं, फिर आप दंगे क्यों करवा रहे हैं. बाहर से लोगों का आना संभव नहीं है. अगर मुख्यमंत्री के निर्वाचन क्षेत्र में बाहर से लोग दंगे भड़का रहे हैं, तो इसका मतलब है कि मुख्यमंत्री विफल हैं.महायुति सरकार पर तंजः संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र में अलग-अलग विचारों की सरकार है. मोहन भागवत, देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे, अजित पवार को अपने हाथों में कुदाल और फावड़ा लेकर अपने लोगों की इच्छाएं पूरी करनी चाहिए. संजय राउत ने कहा कि विधानसभा सत्र चल रहा है और मुख्यमंत्री कानून व्यवस्था की दुहाई दे रहे हैं, तो उनके क्षेत्र में इस तरह के दंगे हो रहे हैं, तो ऐसा करने वाले कौन हैं ? मुझे उन पर भरोसा नहीं है.पिछले दो दिनों से मैं देख रहा हूं कि नागपुर में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के लोग सामने आ रहे हैं और न्यूज चैनलों पर भड़काऊ बयान दे रहे हैं. ये लोग संकेत दे रहे हैं. ये लोग बाहर से आए हुए लोग नहीं हैं. इनकी पहचान जो भी हो, ये लोग अपने सिर पर खूब तेल लगाकर चमक रहे हैं. कितना तेल. ये निश्चित रूप से विश्व हिंदू परिषद या संघ के लोग हैं. ये नागपुर से हैं. चेहरे पहचाने जा सकते हैं. देवेंद्र जी को तो पता ही होगा कि ये चेहरे कौन हैं.₹- संजय राउत, सांसद, यूबीटीमहाराष्ट्र में क्यों हो रहा विरोधः संजय राउत ने कहा कि औरंगजेब की कब्र, छत्रपति शिवाजी महाराज की वीरता का स्मारक है. एक औरंगजेब यहां आया, एक अफजल खान आया, एक शाहिस्त खान आया और यहां से वापस नहीं गया. मावलों ने, संभाजी राजा ने यहां उनकी कब्र खोदी. ये मावलों की वीरता का प्रतीक है. लेकिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा की शुरू से संभाजी राजे और शिवाजी महाराज के महत्व को कम करने की विचारधारा रही है.

नागपुर हिंसा को लेकर विधानसभा में शिंदे का बड़ा बयान, कल वहां ठीक 150 गाड़ियां पार्क नहीं की गई, इसका मतलब...

नागपुर में हिंसा और आगजनी, एक विशिष्ट समुदाय को बनाया निशाना

- उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कांग्रेस पर साधा निशाना, माफी की मांग की
- शिंदे ने कहा, औरंगजेब का महिमामंडन बर्दाश्त नहीं होगा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र के नागपुर में सोमवार रात बड़े पैमाने पर हिंसा और आगजनी हुई। इसमें एक विशिष्ट समुदाय को निशाना बनाया गया। उनके घरों को जला दिया गया और उन पर पत्थर फेंके गए। इस घटना का असर मंगलवार को महाराष्ट्र विधान सभा में भी देखा गया। दंगाइयों ने पुलिस पर भी हमला किया। इसमें कई लोग घायल हो गए और अब उनका इलाज चल रहा है ।इस बारे में बोलते हुए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बड़ा बयान दिया है।

एकनाथ शिंदे ने क्या कहा?

एकनाथ शिंदे ने कहा कि नागपुर में विरोध प्रदर्शन हुआ, पुलिस ने आकर हस्तक्षेप किया और दोनों समुदायों के बीच शांति स्थापित की। फिर शाम आठ बजे अचानक से दो से पांच हजार लोग अचानक से कैसे आ सकते हैं ? महल क्षेत्र, मोमिनपुरा, हंसपुरी जैसे अन्य क्षेत्रों में भी लोग जमा हुए थे। मैंने टीवी पर महिलाओं के छोटे बच्चों की प्रतिक्रियाएं देखीं। घर में बड़े-बड़े पत्थर फेंके गए। एक पांच साल का बच्चा बाल-बाल बच गया। भीड़ ने अस्पताल में भगवान की तस्वीर जला दी। आप विरोध करते हैं, लेकिन लोकतांत्रिक तरीके से, कानून को अपने हाथ में लेकर और एक विशिष्ट समुदाय को निशाना

बनाकर विरोध जताया जाता है ? डिप्टी सीएम ने सवाल किया।

100 से 150 कारें पार्किंग से गायब

शिंदे ने आगे कहा कि शाम को हुए हमले में डीसीपी स्तर के तीन अधिकारी घायल हो गए। पेट्रोल बम कहां से आते हैं ? दोपहिया और चार पहिया वाहन जलाए गए। मुझे जानकारी मिली है कि एक विशेष स्थान पर हर दिन 100 से 150 कारें पार्क होती थीं, लेकिन वहां एक भी कार नहीं थी। इसका मतलब है कि यह साजिश जानबूझकर एक विशिष्ट समुदाय को निशाना बनाने के लिए रची गई थी।

कांग्रेस पर हमला

शिंदे ने कहा कि लोग अपनी जान हथेली पर लेकर अराजकता फैला रहे थे। जब तक पुलिस नहीं आ गई और जब पुलिस पहुंची तो उन पर भी हमला किया गया। आप उन पुलिसकर्मियों पर पत्थर और पेट्रोल बम फेंकते हैं जो कानून और व्यवस्था की रक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं।

राष्ट्र प्रथम, सदैव प्रथम की भावना के साथ आगे बढ़ें : अश्विनी वैष्णव

अब भारतीय रेल में सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कई तकनीकी बदलाव किए गए हैं।

- आज भारत दुनिया का बड़ा रेलवे निर्यातक बन चुका है।
- जल्द ही बिहार में बने लोकोमोटिव का दुनिया में डंका बजेगा।
- 2020 के बाद से भारतीय रेल ने यात्री किराया नहीं बढ़ाया है।
- केंद्र सरकार ने हर राज्य के लिए रेलवे विकास हेतु ऐतिहासिक बजट आवंटित किया है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

जबलपुर। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को लोकसभा में रेल मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदान की मांगों और चर्चा पर जवाब दिया। अपने संबोधन में उन्होंने भारतीय रेल की प्रगति को रेखांकित करते हुए पंक्चुअलिटी, रोजगार, सुरक्षा, निर्यात और इंफ्रा डेवलपमेंट को प्राथमिकता दी। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रोजगार देने में भी रेलवे सबसे आगे है। उन्होंने देश की प्रगति के लिए सभी से राष्ट्र प्रथम, सदैव प्रथम की भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। रेल मंत्री ने सदन में कहा कि रेलवे की पंक्चुअलिटी में बड़ा सुधार हुआ है। इस वर्ष में 68 में से 49 डिवीजन में गाड़ियों की पंक्चुअलिटी 80% से अधिक दर्ज की गई है। उससे भी गौरव की बात ये है कि 12 डिवीजन ऐसे रहे जहां पंक्चुअलिटी 95% तक पहुंच गई है। विश्व के बड़े देशों के बराबर पहुंचने की कोशिश हम कर रहे हैं। ये रेलवे की गुणवत्ता में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। रोजगार सृजन का जिक्र करते हुए रेल मंत्री ने कहा कि भारतीय रेल ने पिछले 10 वर्षों में 5 लाख से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान किया है, जो एक बड़ी उपलब्धि है। वर्तमान में भी 1 लाख लोगों के लिए भर्ती प्रक्रिया चल रही है। रेल मंत्री ने कहा कि अब भारतीय रेल में सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कई तकनीकी बदलाव किए गए हैं। लंबे रेल, इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, फॉग सेफ्टी डिवाइस जैसे कदमों ने रेल यात्रा को और सुरक्षित बनाया है।50,000 किलोमीटर पुराने ट्रैक को हटाकर नए ट्रैक बिछाए गए हैं, जिससे सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। 34,000 किलोमीटर नए रेलवे ट्रैक बनाए गए हैं, जो जर्मनी के पूरे रेल नेटवर्क से भी अधिक है।

मुंबई ईओडब्ल्यू ने दाखिल की 27,147 पन्नों की चार्जशीट, संपत्तियां नीलाम कर इंवेस्टर्स की भरपाई

- मुंबई आर्थिक अपराध शाखा ने टोरेस पोंजी स्कैम मामले में 27,147 पन्नों का आरोप-पत्र दाखिल किया और 142.58 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी उजागर की। अब तक 7 आरोपी गिरफ्तार हुए हैं और 14,157 निवेशकों ने शिकायत दर्ज कराई। टोरेस की जब्त संपत्तियों की नीलामी से निवेशकों का पैसा लौटाने की योजना है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : ईओडब्ल्यू ने टोरेस पोंजी स्कैम मामले में सोमवार को 27,147 पन्नों का आरोप-पत्र दाखिल किया है। आरोप-पत्र में ये बात भी सामने आई है कि टोरेस की जब्त संपत्तियों को नीलाम कर पीड़ित निवेशकों पैसे लौटाए जाएंगे। आर्थिक अपराध शाखा के डीसीपी संग्राम सिंह निशानदार ने बताया कि पूरे मामले में अब तक 7 आरोपियों की गिरफ़्तारी हो चुकी है।142.58 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी सामने आई है। अब तक एडह के सामने 14,157 निवेशकों ने अपनी शिकायत दर्ज कराई है। इस मामले में पुलिस ने मेसर्स प्लैटिनम हर्न प्राइवेट लिमिटेड, तानिया उर्फ तजागुल जस्तोवा, वेलेंटीना गणेश कुमार, सर्वेश सुर्वे ,अल्पेश खारा, तौसीफ रियाज, आर्मेन एटेन और लल्लन सिंह को आरोपी बनाया गया है ।मैसर्स प्लैटिनम हर्न प्राइवेट लिमिटेड के अंतर्गत मुंबई, ठाणे और नवी मुंबई में बड़े-बड़े शो-रूम खोले गए थे। ग्राहकों को लालच दिया गया कि इस शोरूम में जितना पैसा निवेश करेंगे, उसके बदले उन्हें कीमती रत्न मिलेगा। साथ ही उन्हें हर हफ्ते इंसेंटिव भी दिया जाएगा। टोरेस वालों ने ग्राहकों को एक आईडी नंबर दिया था। उस आईडी नंबर के तहत, जो भी निवेश कर स्टोन खरीदेगा उसका इंसेंटिव बढ़ता जाएगा।

कैसे हुआ खुलासा

सबसे पहले मामले का खुलासा मीरा रोड के टोरेस ब्रांच में हुआ था, जब ग्राहकों ने देखा कि टोरेस शोरूम में ताला लटका हुआ है और शोरूम के मैनेजर से लेकर सेल्समैन सभी गायब हैं। इसके बाद यह मामला दादर के शोरूम में सामने आया। एक कर्मचारी ने शिवाजी पार्क पुलिस को सूचना दी कि इस शोरूम में बड़े ओहदे पर काम करने वाली महिलाएं उक्रेन की रहने वाली थीं, जो क्रिसमस मनाने के बहाने करोड़ों रुपये लेकर भाग गईं।

उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में ब्लॉक के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें होंगी प्रभावित

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के कानपुर ब्रिज लेफ्ट बैंक और कानपुर सेंट्रल के बीच ब्रिज संख्या 110 अप लाइन पर चल रहे कार्य के कारण 20 मार्च से 30 अप्रैल, 2025 तक 42 दिनों का ब्लॉक लिया जाएगा। इससे पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें निरस्त, डायवर्ट और रेगुलेट की जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

निरस्त होने वाली ट्रेनेंः

1. ट्रेन संख्या 09451 गांधीधाम-भागलपुर साप्ताहिक स्पेशल 21 मार्च से 25 अप्रैल, 2025 तक
2. ट्रेन संख्या 09452 भागलपुर-गांधीधाम साप्ताहिक स्पेशल 24 मार्च से 28 अप्रैल, 2025 तक
3. ट्रेन संख्या 09465 अहमदाबाद-दरभंगा साप्ताहिक स्पेशल 21 मार्च से 25 अप्रैल, 2025 तक
4. ट्रेन संख्या 09466 दरभंगा-अहमदाबाद साप्ताहिक स्पेशल 24 मार्च से 28 अप्रैल, 2025 तक

परिवर्तित मार्ग से चलने वाली ट्रेनेंः

1. ट्रेन संख्या 22921 बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर अंत्योदय साप्ताहिक एक्सप्रेस 23 मार्च से 27 अप्रैल, 2025 तक परिवर्तित मार्ग वाया कासगंज-शाहजहांपुर-सीतापुर सिटी-बुढ़वाल के रास्ते चलेगी।
2. ट्रेन संख्या 22922 गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस अंत्योदय साप्ताहिक एक्सप्रेस 25 मार्च से 29 अप्रैल, 2025 तक परिवर्तित मार्ग वाया बुढ़वाल-सीतापुर सिटी-शाहजहांपुर-कासगंज के रास्ते चलेगी।
3. ट्रेन संख्या 19410 गोरखपुर-साबरमती द्वि-साप्ताहिक एक्सप्रेस 22 मार्च से 28 अप्रैल, 2025 तक परिवर्तित मार्ग वाया बुढ़वाल-सीतापुर सिटी-शाहजहांपुर-कासगंज के रास्ते चलेगी।
4. ट्रेन संख्या 20921 बांद्रा टर्मिनस- लखनऊ साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस 22 मार्च से 26 अप्रैल, 2025 तक परिवर्तित मार्ग वाया कासगंज-शाहजहाँपुर आलमनगर के रास्ते चलेगी।
5. ट्रेन संख्या 20922 लखनऊ-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस 23 मार्च से 27 अप्रैल, 2025 तक परिवर्तित मार्ग वाया लखनऊ जं.-आलमनगर-शाहजहाँपुर- कासगंज के रास्ते चलेगी।
6. ट्रेन संख्या 15067 गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक एक्सप्रेस 26 मार्च से 30 अप्रैल, 2025 तक परिवर्तित मार्ग वाया अयोध्या-मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़-प्रयागराज जं.-कानपुर सेंट्रल के रास्ते चलेगी।
7. ट्रेन संख्या 15269 मुजफ्फरपुर-साबरमती जनसाधारण साप्ताहिक एक्सप्रेस 20 मार्च से 24 अप्रैल, 2025 तक परिवर्तित मार्ग वाया छपरा-वाराणसी सिटी-वाराणसी जं.-प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज जं.-कानपुर सेंट्रल के रास्ते चलेगी।
8. ट्रेन संख्या 19306 कामाख्या-डॉ. अंबेडकर नगर साप्ताहिक एक्सप्रेस 23 मार्च से 27 अप्रैल, 2025 तक परिवर्तित मार्ग वाया वाराणसी जं.-प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज जं.- कानपुर सेंट्रल के रास्ते चलेगी।
9. ट्रेन संख्या 19054 मुजफ्फरपुर-सूरत साप्ताहिक एक्सप्रेस 23 मार्च से 27 अप्रैल, 2025 तक परिवर्तित मार्ग वाया शाहगंज-जौनपुर-जंघई-फाफामऊ-प्रयागराज जं.-कानपुर सेंट्रल के रास्ते चलेगी।
10. ट्रेन संख्या 15045 गोरखपुर-ओखा साप्ताहिक एक्सप्रेस 20 मार्च से 24 अप्रैल, 2025 तक परिवर्तित मार्ग वाया औड़िहार-जौनपुर-जंघई-फाफामऊ-प्रयागराज जं.-कानपुर सेंट्रल के रास्ते चलेगी।

रेगुलेट होने वाली ट्रेनः-

1. ट्रेन संख्या 05053 गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल 21 मार्च से 25 अप्रैल, 2025 तक 2 घंटे रेगुलेट होगी।

लाडली बहन योजना को लेकर आया बड़ा अपडेट, महिलाओं को अब 1500 रुपये नहीं देगी महाराष्ट्र सरकार

मुंबईः महाराष्ट्र सरकार की एक खास योजना पर अब ध्यान दिया जा रहा है। इस योजना का नाम है मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना (लाडली बहन योजना)। राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने इस बारे में कुछ बातें बताई हैं। अजित पवार के पास वित्त मंत्रालय भी है। उन्होंने विधानसभा में कहा कि इस योजना में कुछ गड़बड़ हुई है। दरअसल, कुछ ऐसे लोगों को भी इस योजना का लाभ मिल गया, जो आर्थिक रूप से मजबूत थे।

मध्य रेल

स्वचालित स्लाइडिंग डोर की आपूर्ति

उप मुख्य सामग्री प्रबंधक (स.मा.वि.) सवारी व मालडिब्बा कारखाना माटुंगा, मुंबई - 400019. **निविदा नोटिस संख्याः CWE/MTN/85246596C/2025. निविदा संख्याः** 85246596C. **विवरणः** ईएमयू के लिए स्वचालित स्लाइडिंग डोर की आपूर्ति जिसमें मैकेनिज्म और डोर कंट्रोल शामिल है। आईसीएफ विनिर्देश संख्या आईसीएफ/ईएलईसी/127, संशोधन 01 लेकिन सुधार के बिना स्लिप-1 और 2 ड्रग संख्या ईएमयू/डीएमसी/एसी-5-8-001/ कॉलम-1 के अनुसार, वैकल्पिक ए. **मात्राः** 08 SETS. **खोलने के लिए नियत तारीख** : 14.04.2025. **निविदा मूल्यः** 6136000. मध्य रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा का पूरा विवरण उपलब्ध है, वेबसाइट से सम्पूर्ण दस्तावेज डाउनलोड किए जा सकते हैं। DE-854

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

पश्चिम रेलवे

एलएचबी वाटर टैंक का रेट्रो–फिटमेंट

मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, कैरिज रिपेयर वर्कशॉप, पश्चिम रेलवे, एन.एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई–13, **निविदा सूचना क्रमांकः** WR-PL-ME-EST- 564488 **दिनांकः** 17.03.2025 आमंत्रित करता है। **कार्य का नाम और स्थानः** "आईसीएफ डिजाइन कोचों में 30 लीटर एलएचबी वाटर टैंक का रेट्रो–फिटमेंट"। **अनुमानित लागतः** 65,05,999.62। ईएमडीः 1,30,100/–। **ई–बोली ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि और समयः** 16.04.2025 को 15:00 बजे तक और **ई–निविदाएं खोलने की तिथिः** 16.04.2025 को 15:30 बजे। बोली प्रपत्र और अन्य विवरण जैसे शुद्धिपत्र वेबसाइट www-ireps.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं। 1188

हमें लाइक करें:facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

आपूर्ति और फिटमेंट

एसएस आरएमपीयू मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, कैरिज मरम्मत कार्यशाला, पश्चिम रेलवे, एन एम जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई –13, निविदा सूचना संख्याः डब्ल्यूआर–पीएल–एमई–ईएसटी–608547 दिनांकः 15.03.2025 आमंत्रित करता है। कार्य का नाम और स्थानः एलएचबी एसी कोचों के लिए एसएस आरएमपीयू ट्रफ असेंबली की आपूर्ति और फिटमेंट। अनुमानित लागतः4,51,83,365.52। ईएमडी 3,75,900/–। ई–बोली ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि और समयः 15.04.2025 को 14:00 बजे तक। और ई–निविदाएं खोलने की तिथिः 15.04.2025 को 14:30 बजे। बोली प्रपत्र और अन्य विवरण जैसे शुद्धिपत्र वेबसाइट www.ireps.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं 1186

हमें लाइक करें:facebook.com/WesternRly

कचरा संकट को लेकर ठाणे कांग्रेस ने दी आंदोलन की चेतावनी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , पिछले दस दिनों से ठाणे शहर के कई हिस्सों से कचरा पूरी तरह से एकत्र नहीं किया गया है।ठाणे मनपा क्षेत्र से कचरा सीपी तालाब इलाके के कचरा संग्रहण केंद्र में ले जाया जाता है।इसके बाद इसे डायघर और शहर में खुले भूखंडों पर फेंक दिया जाता है।लेकिन सीपी तालाब के कचरे में आग लगने की घटना के बाद बड़ी शर्मिंदगी पैदा हो गई है क्योंकि स्थानीय लोगों ने कचरा डंप करने का विरोध किया है।ठाणे शहर में कचरा नहीं उठने से सड़कों और सोसायटी के बाहर कचरे के ढेर लगे हुए हैं।सीपी तालाब के कचरे की दुर्गंध और बार-बार लगने वाली छोटी-बड़ी आग के कारण यहां बने कचरा संग्रह केंद्र पर कचरे का अंबार लग गया है। पिछले कुछ सालों से यहां कचरा डंप करने का नागरिक विरोध कर रहे हैं और इसे बंद करने की लगातार मांग कर रहे हैं। ठाणे कांग्रेस अध्यक्ष विक्रांत चव्हाण ने मंगलवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाया है कि शहर में कचरे का निपटान ठीक से नहीं होने के कारण ठाणे के नागरिकों के स्वास्थ्य को खतरा हो रहा है।इस समय ठाणे कांग्रेस के प्रवक्ता राहुल पिंगले, हिंदूराव गाल्वे, रवि कोली, महिंद्रा म्हात्रे भी मौजूद थे। इस दौरान चेतावनी दी गई कि अगर मनपा प्रशासन को बार-बार निर्देश देने के बावजूद ठाणे शहर में कचरे के ढेर वैसे ही बने रहे, तो गुरुवार को मनपा मुख्यालय के सामने ठोस कचरा और नागरिकों की अन्य नागरिक समस्याओं को लेकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

घोड़बंदर रोड इलाके के नागरिक तिहरी समस्या से परेशान ;मनोहर डुंबरे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , घोड़बंदर रोड इलाके के निवासियों को आवासीय सोसायटी और सड़कों पर जमा, कचरे के ढेर, पानी की गंभीर कमी और कपूरबावड़ी से दैनिक ट्रैफिक जाम के कारण ट्रिपल समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इन मुद्दों पर स्थायी राहत की मांग को लेकर आज भाजपा के पूर्व नगर सेवक मनोहर डुंबरे के नेतृत्व में निवासियों का एक प्रतिनिधिमंडल आयुक्त सौरभ राव से मिला। उस समय उन्होंने घोड़बंदर रोड पर जमा, कूड़े को अगले दो दिनों में हटाने और अन्य मुद्दों पर जल्द कार्रवाई करने का वादा किया ।अधिकांश संपत्ति कर मनपा को घोड़बंदर रोड इलाके के निवासियों और प्रतिष्ठानों के माध्यम से उपलब्ध होता है। जबकि बिल्डरों द्वारा दायर किए गए विकास प्रस्तावों पर लगाए गए शुल्क से मनपा का खजाना भरा जाता है।बताया गया कि मनपा को राजस्व देने वाले घोड़बंदर रोड के ईमानदार करदाताओं के साथ अन्याय हो रहा है।इस समय घोड़बंदर रोड के नागरिक कूड़े-कचरे, पानी की भारी कमी और ट्रैफिक जाम की समस्या से जूझ रहे हैं। इस समस्याओं से नागरिक घुटन में हैं। पिछले सप्ताह से इस क्षेत्र की विभिन्न सोसायटियों के बाहर और व्यस्त सड़कों पर कूड़े का ढेर लगा हुआ है। इससे पहले दिवाली से पहले भी कूड़ा नहीं उठाया गया था। इसलिए नागरिकों ने हर छह माह में उत्पन्न होने वाली ठोस कचरे की समस्या का स्थाई समाधान करने की मांग की है।

घोड़बंदर रोड निवासी पिछले कुछ वर्षों से पानी की भारी कमी का सामना कर रहे हैं। अब तक पालकमंत्री, सांसद, विधायक, महापौर आदि की मौजूदगी में कई बैठकें हो चुकी हैं।हर बार मीठी-मीठी बातों और आश्वासनों से कागजी घोड़ों को दौड़ाया जाता है। एक बैठक में पानी की आपूर्ति 50 मिलियन लीटर बढ़ाने का वादा किया गया था। वास्तव में इसे लागू किए बिना, घोड़बंदर निवासियों को ऐसे ही छोड़ दिया गया। इसलिए, इस क्षेत्र के नागरिकों को पानी के बिल के रूप में प्रति माह चार से पांच हजार रुपये खर्च करने पड़ते हैं। ऐसा पूर्व नगर सेवक मनोहर डुंबरे ने एक बयान के माध्यम से बताया है।घोड़बंदर रोड के निवासियों को मुंबई से आने-जाने के दौरान हर दिन कम से कम दो घंटे ट्रैफिक में फंसना पड़ता है। इस स्थिति से राहत दिलाने के लिए मनपा से मांग की गई है कि वह सर्विस रोड के काम में तेजी लाकर नागरिकों को राहत देने के लिए कदम उठाए।

फास्ट ट्रैक

धार्मिक त्योहार शांति और संयम के साथ मनाएं

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की जनता से अपील

कानून हाथ में लेने वालों और पुलिस पर हमला करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई , महाराष्ट्र एक प्रगतिशील राज्य है, जहां जातिवाद की कोई जगह नहीं है। हालांकि, 17 मार्च को नागपुर में हुई एक घटना ने राज्य की सामाजिक समरसता को प्रभावित किया और शांति भंग कर दी।वर्तमान में विभिन्न धर्मों के त्योहार चल रहे हैं, ऐसे में नागरिकों को संयम बनाए रखते हुए शांति के साथ अपने त्योहार मनाने चाहिए, ऐसा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर घटना पर विधानसभा में बयान देते हुए कहा।मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि नागपुर में पुलिस शांति बनाए रखने के लिए गई थी, लेकिन भीड़ ने उन पर हमला कर दिया। कानून को हाथ में लेने वालों और पुलिस पर हमला करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी, उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी दी।

नागपुर घटना का विवरण

मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया कि 17 मार्च को सुबह 11:30 बजे, नागपुर के महल इलाके में, कुछ संगठनों ने औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग को लेकर घास के पुतले रखकर प्रतीकात्मक विरोध किया। इस विरोध को लेकर गणेशपेठ पुलिस ने मामला दर्ज किया। हालांकि, इस घटना को लेकर अफवाहें फैलीं, जिससे हंसापुरी इलाके में कुछ समुदायों द्वारा हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। इस दंगे में 12 दोपहिया वाहन जला दिए गए।

ट्रैक्टर-ट्राली से टकराई कार

चार दोस्त घायल, दो की हालत नाजुक; मेडिकल कॉलेज रेफर

शाहजहांपुर, थाना पुवायां के बुझिया गांव के चार दोस्त कार से कहीं जा रहे थे। जुझारपुर गांव के पास उनकी कार एक ट्रैक्टर-ट्राली से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार में सवार चारों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने टक्कर की आवाज सुनकर तुरंत मौके पर पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने सभी घायलों को तत्काल सीएचसी में भर्ती कराया। चारों में से दो की हालत अधिक गंभीर होने के कारण उन्हें राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। वर्तमान में दोनों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बाहर बैठी युवती से छेड़छाड़

शाहजहांपुर में दबंग ने की अश्लील हरकतें, पहले भी भेज चुका धमकी भरे पत्र

शाहजहांपुर, एक युवती के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। थाना सेहरामऊ दक्षिणी क्षेत्र में 13-14 की रात की यह घटना है। पीड़िता अपने मकान के बाहर बैठी थी। इसी दौरान गांव का एक दबंग व्यक्ति वहां आया। उसने युवती के साथ अश्लील हरकतें शुरू कर दीं। पीड़िता के शोर मचाने पर उसका भाई मौके पर पहुंचा। आरोपी वहां से भाग निकला। पीड़िता ने बताया कि यह पहली बार नहीं है। आरोपी पहले भी उसे धमकी भरे पत्र भेज चुका है। वह अक्सर मैसेज भी करता रहता है। पीड़िता ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है। जांच शुरू कर दी गई है।

तिलहर में दहेज हत्या का मामला

बहू को जिंदा जलाने की आरोपी सास गिरफ्तार, परिजन ने लगाया था आरोप

शाहजहांपुर, मीरानपुर कटरा थाना पुलिस ने दहेज हत्या की आरोपी सास को नेशनल हाईवे से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान गुड्डी (46) के रूप में हुई है। वह ग्राम नवादा दली की रहने वाली है।

शहरी क्षेत्रों के बच्चों के पोषण के लिए नागरी बाल विकास केंद्र उपयोगी : मंत्री अदिति तटकरे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई ,शहरी क्षेत्रों के कुपोषित बच्चों को सामान्य श्रेणी में लाने के लिए सुपोषित मुंबई अभियान और नागरी बाल विकास केंद्र शुरू किए गए हैं। ये केंद्र गर्भावस्था से लेकर पहले 1,000 दिनों तक बच्चों को उचित पोषण सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होंगे, ऐसा महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने कहा।सुपोषित मुंबई अभियान और नागरी बाल विकास केंद्र योजना का शुभारंभ मंत्री अदिति तटकरे के हाथों अंगणवाड़ी क्र. 51, कोलाबा में किया गया। इस अवसर पर उन्होंने माता और शिशु के उचित पोषण की आवश्यकता पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में एकीकृत बाल विकास सेवा (ICDS) आयुक्त कैलास पगारे, दक्षिण मुंबई बाल विकास परियोजना अधिकारी नितिन मस्के, महिला एवं बाल विकास विभाग के संबंधित अधिकारी, आंगनवाड़ी सेविकाएं, सहायिकाएं, माताएं और बच्चे उपस्थित थे।मंत्री अदिति तटकरे ने कहा कि 2018 से ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में स्थित आंगनवाड़ी केंद्रों में ग्राम बाल विकास केंद्र योजना लागू की गई है, जिसका उद्देश्य कुपोषित बच्चों को सामान्य श्रेणी में लाना है।इस योजना का बच्चों के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है और इससे उन्हें सही उम्र में पोषण आहार प्राप्त करने में मदद मिली है।इसी तर्ज पर, अब मुंबई और उपनगरों में कुपोषण की दर को कम करने के लिए सुपोषित मुंबई अभियान और नागरी बाल विकास केंद्र योजना लागू की जा रही है।उन्होंने आगे कहा कि गर्भावस्था से लेकर पहले 1,000 दिन (जन्म से दो साल तक) बच्चे के बौद्धिक और शारीरिक विकास के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। इसलिए, इस अवधि में माता और शिशु को उचित पोषण मिलना आवश्यक है।नागरी बाल विकास केंद्रों के माध्यम से बच्चों में कुपोषण के साथ-साथ मोटापे की समस्या को दूर करने के लिए भी मार्गदर्शन दिया जाएगा। मंत्री अदिति तटकरे ने यह भी कहा कि शहरी आबादी के अनुपात में आंगनवाड़ियों की संख्या बढ़ाने के लिए विभाग द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं।उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सुपोषित मुंबई अभियान और नागरी बाल विकास केंद्र योजना के लाभ से कोई भी शहरी बच्चा वंचित न रहे, इसके लिए सही योजना बनाकर क्रियान्वयन किया जाए।

इस अवसर पर ICDS आयुक्त कैलास पगारे ने गर्भावस्था और जन्म के बाद पहले दो वर्षों में माता और शिशु के आहार की देखभाल और कुपोषण को कम करने की योजना की जानकारी दी।

राज्य के बस स्टैंडों को अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त किया जाएगा : परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई , राज्य में बस स्टैंडों को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करने के लिए निर्माण, संचालन और हस्तांतरण मॉडल के तहत विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। इसके तहत, सिंधुदुर्ग जिले के दोडामार्ग, सावंतवाड़ी और अंबोली बस स्टैंडों का विकास किया जाएगा, छत्रपति संभाजीनगर जिले के सिल्लोड बस स्टैंड पर यात्रियों के लिए सड़क उपलब्ध कराई जाएगी, और जळगाव जिले के चोपडा बस स्टैंड को अत्याधुनिक बसपोर्ट के रूप में विकसित करने के लिए तत्काल कार्रवाई की जाएगी, ऐसा परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा।विधान भवन में राज्य परिवहन विभाग से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर बैठक आयोजित की गई, जिसमें मंत्री प्रताप सरनाईक ने संबोधित किया।इस बैठक में पूर्व मंत्री अब्दुल सत्तार, पूर्व मंत्री दीपक केसरकर, विधायक चंद्रकांत सोनवाने, एसटी महामंडल के निर्माण महाप्रबंधक दिनेश महाजन और मुख्य लेखाधिकारी एवं आर्थिक सलाहकार गिरीश देशमुख उपस्थित थे।मंत्री सरनाईक ने कहा कि शहरों, तालुका और ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए ‘निर्माण, संचालन और हस्तांतरण’ मॉडल पर आधारित बस स्टैंड विकसित किए जाएंगे। इस योजना के तहत सिंधुदुर्ग जिले के सावंतवाड़ी, दोडामार्ग और अंबोली बस स्टैंडों को आधुनिक रूप दिया जाएगा। पूर्व मंत्री दीपक केसरकर ने सुझाव दिया कि अंबोली, जो एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, वहां आधुनिक सुविधाओं से युक्त नया बस स्टैंड बनाया जाना चाहिए।इसके अलावा, पूर्व मंत्री अब्दुल सत्तार

ने छत्रपति संभाजीनगर जिले के सिल्लोड बस स्टैंड पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं का जिक्र किया और यात्रियों की सुरक्षा के लिए वहां सड़क उपलब्ध कराने की आवश्यकता जताई। इस पर मंत्री सरनाईक ने आश्वासन दिया कि जल्द ही इस बस स्टैंड के लिए वैकल्पिक सड़क की व्यवस्था की जाएगी।जळगाव जिले के चोपडा बस स्टैंड के अत्याधुनिकीकरण के संदर्भ में, स्थानीय विधायक चंद्रकांत सोनवाने ने सुझाव दिया कि चोपडा तालुका, जो मध्य प्रदेश की सीमा से सटा हुआ आदिवासी बहुल क्षेत्र है, वहां के प्रमुख बस स्टैंड को आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाया जाए। इस संदर्भ में, मंत्री सरनाईक ने अधिकारियों को ‘निर्माण, संचालन और हस्तांतरण’ मॉडल के तहत इस परियोजना के लिए निविदा प्रक्रिया जल्द शुरू करने के निर्देश दिए।

अंबरनाथ में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

- शिव जयंती कार्यक्रम का आयोजन शिवसेना शहर प्रमुख अरविंद वालेकर ने किया।
- मुस्लिम समाज के लोगों ने भी बढ़-चढ़ कर जगह-जगह स्वागत किया।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. हैदव धर्मोद्धारक,हिंदू अस्मिता और संस्कृति के रक्षक, महाराष्ट्र के आराध्य देव छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती सोमवार 17 मार्च को बड़ी ही भव्यता और दिव्यता के साथ मनाई गई। अंबरनाथ शिवसेना शहर प्रमुख अरविंद वालेकर द्वारा वर्षों से यह शिव जयंती कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।यह शिव जयंती यात्रा अंबरनाथ पश्चिम स्थित शिवसेना शहर प्रमुख अरविंद वालेकर के निवास स्थान से प्रारंभ होकर बुआ पाड़ा से मटका चौक,हुतात्मा चौक होते हुए अंबरनाथ पूर्व स्थित शिवाजी चौक परिसर स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर समाप्त हुई।इस भव्य जुलूस में शिवसेना शहर प्रमुख अरविंद वालेकर,पूर्व नगराध्यक्ष मनीषा वालेकर,पूर्व नगरसेवक राजेंद्र वालेकर,युवा सेना निरीक्षक एडवोकेट निखिल वालेकर आदि उपस्थित थे।पारंपरिक

वेशभूषा में सजे धजे शिवप्रेमी हाथों में भगवा झंडा लिए ढोल ताशों की धुन पर थिरकते नजर आए।इस भव्य जुलूस का जगह जगह पुष्प वर्षा से स्वागत सत्कार किया गया। शिवाजी जयंती के जुलूस को मुस्लिम समाज के लोगों ने भी खुले दिल से स्वागत किया। विमको नाका स्थित मस्जिद के पास शिवसेना शहर प्रमुख अरविंद वालेकर का एडवोकेट आसिफ खान पठान,पूर्व नगरसेवक भाई मेहमूद मीरा सैय्यद,अमजद खान,जमील शेख आदि ने स्वागत सत्कार किया।शास्त्री स्कूल के पास फारूख करीम शेख और उनके सहयोगियों ने जुलूस में शामिल लोगों को बिस्कुट पानी आदि का वितरण किया।शिवाजी जयंती का यह भव्य-दिव्य जुलूस शिवाजी चौक पर छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके समापन किया गया। शिवाजी चौक परिसर को बड़े ही भव्य तरीके से सजाया संवारा गया था।इस उपलक्ष में नाट्य मंचन और संगीत कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

फल विक्रेता को कार ने मारी टक्कर

- सीतापुर की तरफ से आ रही थी कार, फल विक्रेता की दर्दनाक मौत

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, एक दुखद घटना में फल विक्रेता की कार की टक्कर से मौत हो गई। थाना आरसी मिशन क्षेत्र के सरायकाईयां निवासी 43 वर्षीय मेवाराम बंतारा के पास फल का ठेला लगाते थे। सीतापुर की तरफ से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनके ठेले को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मेवाराम की मौके पर ही मौत हो गई। कार चालक घटना के बाद वाहन छोड़कर फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और परिजनों को सूचना दी। मेवाराम को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों के अनुसार, मेवाराम की पत्नी का कुछ समय पहले निधन हो चुका था। वह अपने परिवार का पालन-

पोषण फल का ठेला लगाकर करते थे। परिजनों का आरोप है कि चालक की लापरवाही और तेज रफ्तार के कारण यह दुर्घटना हुई। पुलिस फरार चालक की तलाश कर रही है।

अंबरनाथ में नवनिर्मित नाट्यगृह का नामकरण साहित्य सम्राट अन्नाभाऊ साठे के नाम किया जाए

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. अंबरनाथ नपा द्वारा सर्कस मैदान पर नवनिर्मित नाट्यगृह का नामकरण अन्नाभाऊ साठे के नाम पर किए जाने के लिए मंगलवार को अनेक सामाजिक,धार्मिक,जातीय संगठन के पदाधिकारियों ने नवनियुक्त मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड से मिलकर उन्हें लिखित रूप से आवेदन करके नाट्यगृह का नामकरण साहित्य सम्राट अन्ना भाऊ साठे के नाम पर किए जाने की मांग की। मंगलवार 18 मार्च को साहित्य रत्न लोकतांत्रिक अन्नाभाऊ साठे नाट्यगृह नामकरण संघर्ष समिति के नेतृत्व में अनेक सामाजिक, धार्मिक और कला संगठनों ने अंबरनाथ नगर परिषद के मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड से मुलाकात कर इस संदर्भ में अपनी बात रखी और लिखित आवेदन प्रस्तुत किया। नवनियुक्त मुख्याधिकारी ने सभी सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों की बात सम्मानपूर्वक सुनकर इस दिशा में उक्त मांग को शासन के समक्ष रखने का

आश्वासन दिया।इस अवसर पर विजय हनवते,सुंदरलाल डांगे,विलास यादव, हरिभाऊ चव्हाण,प्रहलाद कस्बेकर, किशोर अल्हाट,सुनील अहीरे,अजयराव चिरिवेला, शत्रुघ्न उमाप,प्रफुल्ल थोरात,दीपक खंडागले, नामदेव हवाले, भीमराव इंगोले आदि पदाधिकारी उपस्थित थे।

नवनियुक्त मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड के नेतृत्व में अंबरनाथ नपा प्रशासन एक्टिव मोड पर

संपत्ति कर बकाएदारों पर सख्त कार्यवाही, 12 गोदाम तथा 2 कंपनियों को किया गया सील।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. नवनियुक्त मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड के पद ग्रहण करने के पश्चात अंबरनाथ नपा प्रशासन ने संपत्ति कर बकाएदारों के विरुद्ध सख्त रुख अपनाया है। मंगलवार को नपा के अधिकारियों ने 12 गोदामों तथा स्थानीय आनंद नगर स्थित एमआईडीसी परिसर की 2 कंपनियों को सील किया है। ज्ञात है कि अंबरनाथ नपा के नवनियुक्त मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड़ ने पदभार ग्रहण करते ही नपा के गृहकर संग्रह विभाग की मीटिंग ली तथा बकायादारों से वसूली करने के सख्त आदेश दिए थे।मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड़ के मार्गदर्शन में नपा के कर अधिकारी नरेंद्र संखे, कर निरीक्षक प्रशांत राणे, नवनीत देवरे की टीम ने अन्य स्टॉफ के साथ अंबरनाथ पूर्व स्थित गेमनानी कंपाउंड में 12 गोदामों को सील किया। आनंदनगर एमआईडीसी की उन दो कंपनियों को भी सील किया गया जिनपर एक लाख रुपए से अधिक संपत्ति कर बकाया था। टैक्स डिपार्टमेंट के इंचार्ज नरेंद्र संखे ने बताया कि जिन लोगों का एक लाख रुपए से अधिक संपत्ति कर बकाया है उन सम्पत्तियों को तत्काल प्रभाव से सील करने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।नरेंद्र संखे का कहना है कि 31 मार्च तक सभी विभागों (घरपट्टी वार्ड वार) में व्यावसायिक संपत्तियों की सीलिंग जारी रहेगी। इसके साथ ही नागरिकों कि सुविधा के लिए 31 मार्च तक गृहकर विभाग का दफ्तर तथा केंद्र आम दिनों के साथ ही शनिवार और रविवार को भी खुले रहेंगे ताकि संपत्ति शुल्क जमा करने में आसानी हो।नरेन्द संखे ने बताया कि मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड़ की तरफ से 100 फीसदी वसूली का लक्ष्य हासिल करने का आदेश दिया गया है। उन्होंने बताया कि आज जिनपर जब्ती की कार्यवाही की गई है उनमें से तीन ने अपने संपत्ति कर बकाया का चेक हमें प्रदान कर दिया है, चेक पास होते ही उन तीन गोदामों की सील खोल दी जाएगी। नपा के मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड़ ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि शहर के विकास के लिए करों को समय से जमा करा दिया करे ताकि अवांछित कार्यवाही करने की स्थिति उत्पन्न न हो सके।

रेलवे स्टेशन के यार्ड में मिला अज्ञात शव

युवक की नहीं हो सकी पहचान, कपड़ों से भी कुछ नहीं मिला

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, रेलवे स्टेशन के यार्ड में एक अज्ञात युवक का शव मिला है। रेलवे कर्मचारियों ने तुरंत जीआरपी को सूचना दी। मौके पर पहुंची जीआरपी ने शव की पहचान के लिए कई प्रयास किए। जीआरपी ने युवक के कपड़ों की तलाशी ली, लेकिन कोई पहचान पत्र या अन्य सामान नहीं मिला। यार्ड के आसपास के क्षेत्र में भी खोजबीन की गई, पर कोई सुराग नहीं मिला। मृतक की उम्र लगभग 25 वर्ष आंकी गई है। जीआरपी थाना प्रभारी रेहान अली के अनुसार, युवक की पहचान के लिए उसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की गई हैं। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि मृतक स्थानीय निवासी था या कोई यात्री। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पहचान स्थापित करने के प्रयास जारी हैं।

व्यापारी बोले-बहादुरगंज के पुराने बरगद-इमली पेड़ को न काटा जाए

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, बहादुरगंज बाजार में स्थित दो पुराने वृक्षों को बचाने के लिए व्यापारियों ने आवाज उठाई है। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारियों ने नगर आयुक्त से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। बाजार में मौजूद बरगद और इमली के पुराने वृक्ष स्थानीय महत्व रखते हैं। बरगद के पेड़ पर तीज-त्योहार के अवसर पर पूजा की जाती है। इमली का घना वृक्ष बाजार में आने वाले ग्राहकों को छाया प्रदान करता है। व्यापारियों का कहना है कि नगर निगम ने कई स्थानों पर पेड़ों की कटाई कर दी है। यह कार्रवाई पूर्व वार्ता के विपरीत की गई। आगामी गर्मी के मौसम को देखते हुए इन वृक्षों का संरक्षण आवश्यक है। नगर निगम शहर के सौंदर्यीकरण के लिए नई पहल कर रहा है। इसी क्रम में बहादुरगंज में वृक्षों की कटाई और छंटाई का प्रस्ताव था। हालांकि, व्यापारियों के विरोध को देखते हुए नगर आयुक्त ने आश्वासन दिया है कि वृक्षों को नहीं काटा जाएगा। केवल आवश्यक छंटाई की जाएगी। व्यापार संगठन ने इस निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि उनका संगठन हमेशा जिला और नगर निगम प्रशासन का सहयोग करता रहा है।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण (भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

सीजफायर के बाद इजराइल की गाजा पर एयरस्ट्राइक

12 घंटे में 413 की मौत, सैकड़ों घायल; हमास बोला-अब 24 इजराइली बंधकों का जिंदा बचना मुश्किल

एजेंसी

तेल अवीव, इजराइल ने मंगलवार सुबह गाजा में फिर से एयरस्ट्राइक शुरू कर दी है। करीब 12 घंटे से जारी इजराइली हमलों में अब तक 413 लोग मारे जा चुके हैं, जबकि सैकड़ों घायल हैं। इस हमले के साथ ही 19 जनवरी को गाजा और इजराइल के बीच हुआ दो महीने पुराना सीजफायर टूट गया है। इजराइल का दावा है कि वह हमले की प्लानिंग कर रहे आतंकियों को निशाना बना रहा है।

वहीं, गाजा के उग्रवादी संगठन हमास का कहना है कि नेतन्याहू का फिर से युद्ध शुरू करने का फैसला इजराइली बंधकों के लिए मौत की सजा की तरह है।

इस हमले के बाद हमास की कैद में मौजूद लगभग 2 दर्जन इजराइली बंधकों की रिहाई को लेकर अनिश्चितता पैदा हो गई है। दूसरी तरफ इजराइली फोर्सेज ने लोगों को पूर्वी गाजा खाली करने का आदेश दिया है।

इजराइली रक्षामंत्री बोले- गाजा में नरक के दरवाजे खोल देंगे

इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने यह हमले इसलिए कराए क्योंकि सीजफायर पर हो रही बातचीत आगे नहीं बढ़ रही थी। नेतन्याहू कई बार फिर से जंग शुरू करने की धमकी दे चुके हैं। वहीं, इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने चेतावनी दी है कि अगर बंधकों को रिहा नहीं किया तो गाजा में नरक के दरवाजे खोल देंगे। हमास ने इजराइली हवाई हमलों को सीजफायर का उल्लंघन बताया है। हमास ने धमकी दी है कि इस कदम से उसकी कैद में मौजूद इजराइली बंधकों की जान खतरे में आ गई है। हमास ने कहा कि इजराइल ने बिना किसी उकसावे के हमले किए हैं। इजराइल ने पिछले दो हफ्तों से गाजा में भोजन, दवाइयों, ईंधन और अन्य सप्लाई को रोक दिया है और मांग की है कि हमास सीजफायर समझौते में बदलाव स्वीकार करे।

सीजफायर के पहले फेज में 33 इजराइली बंधक रिहा हुए

सीजफायर का पहला फेज 1 मार्च को खत्म हो गया है। पहले फेज में हमास ने 33 बंधक छोड़े हैं, इनमें 8 शव शामिल हैं। वहीं इजराइल ने 2 हजार फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया है। इजराइल और हमास के बीच सीजफायर के दूसरे फेज पर अभी तक बातचीत शुरू नहीं हो पाई है। इस फेज में लगभग 60 बंधकों को रिहा किया जाना था। साथ ही जंग को पूरी तरह से खत्म करने पर बात होनी थी। हमास के पास अभी 24 जिंदा बंधक और 35 के शव हैं।

तीन फेज में पूरी होनी थी सीजफायर डील

इजराइल और फिलिस्तीन के बीच सीजफायर डील तीन फेज में पूरी होनी थी। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच कैदियों की अदला-बदला पर समझौता हुआ था।

पाकिस्तान के फर्जी कॉल सेंटर में लूट

कंप्यूटर-लैपटॉप लेकर भागे लोग; सेंटर में धोखाधड़ी का कारोबार चलता था, इसमें विदेशी नागरिक भी शामिल

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में चल रहे एक फर्जी कॉल सेंटर में लोगों ने घुसकर कंप्यूटर और लैपटॉप लूट लिए। घटना 15 मार्च की है। पाकिस्तान की जांच एजेंसी एफआईए ने फर्जी कॉल सेंटर पर रेड मारी थी। रेड के बाद कॉल सेंटर में स्थानीय लोग घुस गए और कीमती सामान लूट लिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। वीडियो कई लोग कॉल सेंटर से कंप्यूटर और लैपटॉप लेकर भागते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि वीडियो की पुष्टि नहीं हो पाई है। कॉल सेंटर धोखाधड़ी का कारोबार चलाने का आरोप था, जिसे लेकर पिछले कुछ समय से इसकी जांच चल रही थी। इसके बाद एफआईए (फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी) की साइबर सेल ने कॉल सेंटर पर छापेमारी की। इसमें 24 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें कई विदेशी नागरिक भी शामिल थे, जबकि कई भागने में कामयाब रहे। पिछले साल अगस्त में कराची में एक मॉल की ओपनिंग के दिन ही लोगों ने उसमें लूट कर दी थी। पाकिस्तानी न्यूज चैनल मुताबिक मॉल ने ओपनिंग डे पर खरीदी में भारी छूट का ऐलान किया था। कराची के कराची के गुलिस्तान -ए-जौहर में खुले इस मॉल का नाम ड्रीम बाजार है। भारी डिस्काउंट के चलते मॉल के बाहर हजारों लोगों की भीड़ इक्ट्ठा हो गई थी। इस दौरान कुछ लोग लाठी और डंडे के साथ मॉल में दाखिल हो गए।

इसके बाद मॉल में अफरा-तफरी मच गई। अफरा-तफरी के कारण मॉल में अराजकता और तोड़-फोड़ की स्थिति बन गई। इस बीच लोगों ने मॉल में लूटपाट शुरू कर दी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मॉल ने ओपनिंग डे पर ज्यादा लोगों को बुलाने के लिए सोशल मीडिया पर विज्ञापन दिए थे। ड्रीम बाजार कपड़ों और घरेलू सामान का शॉपिंग मॉल है।

ट्रम्प बोले- बाइडेन के दिए क्षमादान अमान्य

बाइडेन के बेटे की फाइल फिर खुल सकती है; टैक्स चोरी का आरोप

एजेंसी

वॉशिंगटन, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को कहा कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने कार्यकाल के आखिरी दिनों में जितने भी लोगों के अपराधों को माफ किया है, वो सभी अमान्य हैं। इनमें उनका बेटा हंटर बाइडेन भी शामिल है।

ट्रम्प बोले- बाइडेन के दस्तखत ऑटोपेन से किए गए

ट्रम्प ने आगे कहा कि नींद में सोए हुए बाइडेन ने राजनीतिक ठगों और कई अन्य लोगों को माफी दी। उन्हें तो पता भी नहीं था कि वो क्या कर रहे हैं क्योंकि ये दस्तखत उन्होंने नहीं किए थे। उनके दस्तखत ऑटोपेन से किए गए थे। ऑटोपेन एक ऐसी मशीन है जो किसी इंसान के साइन की हूबहू नकल करती है। इसे खासतौर पर आधिकारिक दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए डिजाइन किया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति दशकों से ऑटोपेन का इस्तेमाल करते आ रहे हैं।

हंटर बाइडेन पर अवैध तरीके से बंदूक रखने का मामला

जो बाइडेन ने राष्ट्रपति पद छोड़ने से पहले अपने बेटे हंटर बाइडेन की सजा को माफ कर दिया था। बाइडेन पर अवैध तरीके से बंदूक रखने और टैक्स चोरी के मामला था। बाइडेन का कहना था कि उन्हें कानून व्यवस्था पर पूरा यकीन है,

लेकिन राजनीति ने इसे गंदा कर दिया है। हंटर के मामले को देखने वाला कोई भी समझदार शख्स यह जानता होगा कि उसे सिर्फ इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि वह मेरा बेटा है। हंटर को पिछले साल 4 दिसंबर को सजा सुनाई जानी थी।

अवैध तरीके से बंदूक खरीदने के मामले में अधिकतम 25 साल तक की जेल हो सकती थी, लेकिन सजा सुनाए जाने से ठीक 2 दिन पहले पिता बाइडेन ने अपनी राष्ट्रपति शक्तियों का इस्तेमाल कर बेटे बाइडेन को बचा लिया था। अमेरिका में राष्ट्रपति को क्षमादान के लिए कारण बताने की जरूरत नहीं अमेरिका के राष्ट्रपति को संघीय अपराधों से संबंधित सजा को माफ करने या कम करने का संवैधानिक अधिकार है।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने माना है कि यह शक्ति बिना किसी सीमा के दी गई है और कांग्रेस (संसद) इसे प्रतिबंधित नहीं कर सकती है। क्षमादान एक एग्जीक्यूटिव पावर है और विवेकाधीन है, इसका मतलब है कि राष्ट्रपति अपने क्षमादान के लिए उत्तरदायी नहीं हैं और उसे क्षमादान जारी करने के लिए कोई कारण बताने की जरूरत नहीं है।

भारत का बड़ा एक्शन, म्यांमार बॉर्डर पूरी तरह सील, रो पड़ेगा बांग्लादेश

> अब तक भारत और म्यांमार के लोग 10 किलोमीटर तक बिना वीजा के आ जा सकते थे। लेकिन अब इस फैसले के बाद ऐसा संभव नहीं होगा। बॉर्डर पार करने के लिए एक तय गेट से गुजरना होगा और पूरी प्रक्रिया फॉलो करनी होगी। इस फैसले से सबसे ज्यादा असर नागा और कुकी जनजातियों पर पड़ेगा क्योंकि इसके रिश्तेदार म्यांमार में रहते हैं।

एजेंसी

भारत सरकार ने म्यांमार को लेकर एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। अब म्यांमार बॉर्डर को पूरी तरह से सील किया जाएगा और फ्री मूवमेंट रिजीम यानी एफएमआर को खत्म कर दिया गया है। ये पहली बार हो रहा है जब भारत ने म्यांमार के साथ अपनी 1645 किलोमीटर लंबी सीमा को पूरी तरह बंद करने का फैसला किया है। आपने हाल ही में जोलैंड नाम सुना होगा। ये भारत और म्यांमार के कुछ हिस्सों में रहने वाले कुकी समुदाय का सपना था। वो चाहते थे कि मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड और म्यांमार के शंघाई क्षेत्र को मिलाकर एक अलग राज्य बनाया जाए। लेकिन भारत सरकार ने इस मांग को पूरी तरह खारिज कर दिया है और अब म्यांमार बार्डर पर मजबूत सुरक्षा इंतजाम कर दिए गए हैं। अब तक भारत और म्यांमार के लोग 10 किलोमीटर तक बिना वीजा के आ जा सकते थे। लेकिन अब इस फैसले के बाद ऐसा संभव नहीं होगा। बॉर्डर पार करने के लिए एक तय गेट से गुजरना होगा और पूरी प्रक्रिया फॉलो करनी होगी। इस फैसले से सबसे ज्यादा असर नागा और कुकी जनजातियों पर पड़ेगा क्योंकि इसके रिश्तेदार म्यांमार में रहते हैं। यही वजह है कि वे इसका विरोध कर रहे हैं। लेकिन भारत सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ये बड़ा कदम उठाया है। यंग मिजो एसोसिएशन या सेंट्रल वाईएमए की केंद्रीय समिति ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने और पड़ोसी देश के साथ मुक्त आवागमन व्यवस्था को हटाने के केंद्र के फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। 2011 की जनगणना के अनुसार, वाईएमए मिजोरम का सबसे बड़ा नागरिक समाज संगठन है, जिसके राज्य की लगभग 11 लाख की आबादी में से 4 लाख से अधिक सदस्य हैं।

ट्रंप और मोदी के नेतृत्व में भारत-अमेरिका साझेदारी और मजबूत होगी, रायसीना डायलॉग में बोलीं तुलसी गबार्ड

अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड भारत की यात्रा पर हैं. राष्ट्रीय खुफिया निदेशक का पदभार संभालने के बाद यह उनकी पहली विदेश यात्रा है.

एजेंसी

नई दिल्लीः अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने मंगलवार को कहा कि भारत-अमेरिका साझेदारी दशकों से मजबूत रही है और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह और मजबूत होगी.नई दिल्ली में रायसीना डायलॉग में 'पीपल, पीस, प्लैनेट' विषय पर बोलते हुए तुलसी गबार्ड ने कहा, इस सम्मेलन का विषय 'पीपल, पीस, प्लैनेट' उन मूलभूत आकांक्षाओं पर प्रकाश डालता है जो हमें एकजुट करती हैं. यह वह आधार है जिस पर समृद्धि, सुरक्षा और स्वतंत्रता टिकी हुई है.गबार्ड के अनुसार, शांति अव्यवहारिक नहीं होनी चाहिए और युद्ध अनिवार्य नहीं होना चाहिए. भारत दौरे पर आईं अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक ने कहा, अपने लक्ष्य को अधिक स्पष्ट रूप से परिभाषित करके और इसे अधिक प्रबंधन करने योग्य बनाकर, हम सभी लोगों को इसे देखने, इससे आशा प्राप्त करने और इसकी ओर अथक रूप से आगे बढ़ने में मदद कर सकते हैं.ट्रंप प्रशासन का जिक्र करते हुए गबार्ड ने कहा, अन्य जगहों पर देखे जाने वाले रुझानों को प्रतिबिंबित करते हुए, हमारी राजनीति को अक्सर एक पार्टी बनाम दूसरी पार्टी के रूप में बहुत ही सरल तरीके से समझा जाता है. हालांकि, राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने प्रशासन में ऐसे लोगों को शामिल किया है, जो अपने राजनीतिक मतभेदों के बावजूद 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' के समान लक्ष्य को साझा करते हैं.गबार्ड ने कहा कि ये चिंताएं गलत धारणाओं और ट्रंप की नीतियों की खराब समझ से आती हैं. उन्होंने कहा, शांति का आान करने का मतलब अलगाववाद नहीं है. वह चाहते हैं कि उनकी विरासत शांति निमार्ता और एकजुटता के सूत्रधार की हो. उनके शपथ ग्रहण समारोह में कई विश्व नेताओं की उपस्थिति दर्शाती है कि वे उनकी अनिवार्यता को समझते हैं.यह कहते हुए कि व्यवस्था और स्थिरता सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है, गबार्ड ने कहा, ऐसा करने की हमारी क्षमता सामूहिक लक्ष्यों को हासिल करने की हमारी क्षमता सुनिश्चित करेगी. हालांकि, इतिहास ने दिखाया है कि केवल शांति का आान करने से अधिक हमले और बदनामी होती है

चुनाव आयोग और गृह मंत्रालय की मीटिंग में हो गया बड़ा फैसला

वोटर कार्ड के ईपीआईसी नंबर को आधार से जोड़ा जाएगा

> इससे पहले 10 मार्च को चुनाव आयोग ने कहा था कि डुप्लीकेट वोटर आईडी कार्ड से जुड़ा मामला एक विरासत का मुद्दा है। इसने राज्यों को वार्षिक मतदाता सूची अपडेट के दौरान मतदाता के फोटो पहचान पत्र में सभी विसंगतियों को दूर करने का भी निर्देश दिया था।

एजेंसी

आयोग ने स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया संविधान के अनुच्छेद 326 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के प्रासंगिक प्रावधानों का सख्ती से पालन करेगी। यूआईडीएआई और ईसीआई के तकनीकी विशेषज्ञों के बीच तकनीकी परामर्श भी शीघ्र ही शुरू होने वाला है। आने वाले महीनों में वोटर आईडी कार्ड को आधार कार्ड से जोड़ने का अभियान तेज किया जाएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने मंगलवार को मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) को आधार से जोड़ने पर चर्चा करने के लिए प्रमुख अधिकारियों और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के साथ-साथ केंद्रीय गृह सचिव, विधायी विभाग के सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव तथा यूआईडीएआई के सीईओ और चुनाव आयोग के तकनीकी विशेषज्ञों ने भी भाग लिया। आयोग ने स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया संविधान के अनुच्छेद 326 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के प्रासंगिक प्रावधानों का सख्ती से पालन करेगी। यूआईडीएआई और ईसीआई के तकनीकी विशेषज्ञों के बीच तकनीकी परामर्श भी शीघ्र ही शुरू होने वाला है ।ईपीआईसी नंबर पर भी स्पष्टीकरण दिया गया। चुनाव निकाय ने कहा कि कोई भी मतदाता ईपीआईसी

पाकिस्तान के बिगड़ते हालात को देखते हुए पूरे जम्मू कश्मीर में सुरक्षा संबंधी हाई अलर्ट जारी किया गया

> हम आपको बता दें कि रहमान, जनवरी 2023 में राजौरी में सात लोगों की हत्या और जून 2024 में रियासी में नौ तीर्थयात्रियों की हत्या सहित जम्मू कश्मीर में कई आतंकवादी हमलों के लिए भारतीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा वांछित था।

एजेंसी

आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के एक शीर्ष कमांडर के मारे जाने समेत पाकिस्तान में हाल में हुए आतंकवादी हमलों के मद्देनजर पूरे जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा संबंधी हाई अलर्ट जारी किया गया है। सुरक्षा प्रतिष्ठान के अधिकारियों ने बताया कि राजनीतिक नेताओं सहित सुरक्षा प्राप्त सभी व्यक्तियों को चौकस रहने और अपनी सुरक्षा के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों को क्षेत्र में गश्त और तलाश अभियान तेज करके, विशेष रूप से आसान लक्ष्यों पर किसी भी हमले को अंजाम देने के राष्ट्र विरोधी तत्वों के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए कड़ी निगरानी और असाधारण सतर्कता बनाए रखने का निर्देश दिया गया है।

केदारनाथ में किसी के प्रवेश पर रोक नहीं, धाम को दूषित करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

एजेंसी

देहरादून/रुद्रप्रयागः उत्तराखंड में केदारनाथ धाम के कपाट खुलने से पहले ही चार धामों को नॉनवेज और मदिरा बेचने से दूषित करने वालों पर बैन करने की चचार्एं शुरू हो गई. इसे गैर हिंदुओं से जोड़कर देखा जाने लगा. अब स्थानीय विधायक ने अपने बयान को और अधिक स्पष्ट करते हुए कहा कि गैर हिंदुओं के दर्शन पर प्रतिबंध नहीं है.सनातन धर्म की आस्था का केंद्र है केदारनाथ धामः उत्तराखंड में केदारनाथ धाम जहां एक और सनातन धर्म की आस्था का केंद्र बिंदु है, तो वहीं दूसरी तरफ इसकी यात्रा व्यवसाईयों के लिए भी एक बड़ा केंद्र है. हर साल केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के बाद हजारों व्यवसायी केदार घाटी में व्यवसाय करते हैं. उत्तराखंड की इस धार्मिक यात्रा से उत्तराखंड की आर्थिक प्रगति भी जुड़ी हुई है. कई बार केदारनाथ धाम या फिर केदारनाथ घाटी में मांस और शराब के मामले सामने आए हैं. कई बार सोशल मीडिया पर वीडियो भी वायरल हुए हैं. लेकिन इस बार स्थानीय प्रशासन, सरकार और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने यात्रा शुरू होने से पहले ही इस विषय को बेहद गंभीरता से लेना शुरू कर दिया है.

पश्चिम रेलवे

मुंबई सेंट्रल डिवीजन के "ए1 और सी" श्रेणी के स्टेशन पर बहुउद्देश्यीय स्टॉल का प्रावधान

अप्रैल 2025 माह के लिए "ए1 और सी" श्रेणी के स्टेशनों पर बहुउद्देश्यीय स्टॉलों के लिए ई-नीलामी आयोजित की जाएगी।

नीलामी सूची क्रमांकः BCT-CTG-25-14
ई-नीलामी की तिथिः 03.04.2025

क्रमांक	लॉट संख्या	स्टेशन	स्टेशन की श्रेणी	स्थान
AA/1	MPS-BCT-ADH- MPS-5-25-1	Andheri	A1	East Concourse

इकाई का प्रकारः एमपीएस, क्षेत्रफल (वर्ग फीट): 60 वर्ग फीट, ई-नीलामी का समयः 12:00 बजे।

नीलामी सूची संख्याः BCT-CTG-25-15
ई-नीलामी की तिथिः 07.04.2025

क्रमांक	लॉट संख्या	स्टेशन	स्टेशन की श्रेणी	स्थान
AA/1	MPS-BCT-DIC-MPS-16-24-1	Dahisar	C	PF No.2/3
AA/2	MPS-BCT-VGN-MPS-15-24-1	Vangaon	C	PF No. 1

इकाई का प्रकारः एमपीएस, क्षेत्रफल (वर्ग फीट): 60 वर्ग फीट, ई-नीलामी का समयः 12:00 बजे।

नीलामी सूची संख्याः BCT-CTG-25-16
ई-नीलामी की तिथिः 08.04.2025

क्रमांक	लॉट संख्या	स्टेशन	स्टेशन की श्रेणी	स्थान
AA/1	MPS-BCT-CCG-MPS-10-24-1	Churchgate	C	Concourse Hall

इकाई का प्रकारः एमपीएस, क्षेत्रफल (वर्ग फीट): 60 वर्ग फीट, ई-नीलामी का समयः 12:00 बजे।

नोटः संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS dh osclkbV www-ireps-gov-in पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। लॉट के अनुसार विवरण नीचे दिए गए कैटलॉग में उपलब्ध है।

हमें लाइक करें:.facebook.com/WesternRly Follow us on: X x.com/WesternRly 1190

पश्चिम रेलवे

मुंबई सेंट्रल डिवीजन के "ए1, ए, सी और डी" श्रेणी के स्टेशन पर चाय की दुकानों का प्रावधान

अप्रैल 2025 के महीने के लिए "ए1, ए, सी और डी" श्रेणी के स्टेशनों पर चाय की दुकानों के लिए ई-नीलामी आयोजित की जाएगी।

नीलामी सूची संख्याः BCT-CTG-25-10
ई-नीलामी की तिथिः 01.04.2025

क्रमांक	लॉट संख्या	स्टेशन	स्टेशन की श्रेणी	स्थान
AA/1	Catg-BCT-VAPI- SMU-156-24-1	VAPI	A	PF No-2/3

इकाई का प्रकारः चाय की दुकान, क्षेत्रफल (वर्ग फीट): 60 वर्ग फीट, ई-नीलामी का समयः 12:00 बजे।

नीलामी सूची संख्याः BCT-CTG-25-13
ई-नीलामी की तिथिः 02.04.2025

क्रमांक	लॉट संख्या	स्टेशन	स्टेशन की श्रेणी	स्थान
AA/1	Catg-BCT-MMCT-SMU-4-22-1	Mumbai Central	A1	PF No.1/2
AA/2	Catg-BCT-UOI-SMU-157-24-1	Umroli	C	PF No.2
AA/3	Catg-BCT-UVD-SMU-95-24-1	Udvada	B	PF No.2/3
AA/4	Catg-BCT-BL-SMU-97-24-1	Valsad	A	PF No. 1
AA/5	Catg-BCT-BL-SMU-138-24-1	Valsad	A	PF No. 2/3
AA/6	Catg-BCT-NDB-SMU-106-23-1	Nandurbar	B	PF No.1

इकाई का प्रकारः चाय की दुकान, क्षेत्रफल (वर्ग फीट): 60 वर्ग फीट, ई-नीलामी का समयः 12:00 बजे।

नीलामी सूची संख्याः BCT-CTG-25-17
ई-नीलामी की तिथिः 09.04.2025

क्रमांक	लॉट संख्या	स्टेशन	स्टेशन की श्रेणी	स्थान
AA/1	Catg-BCT-PAD-SMU-140-24-1	Pardi	D	PF No. 2/3

इकाई का प्रकारः चाय की दुकान, क्षेत्रफल (वर्ग फीट): 60 वर्ग फीट, ई-नीलामी का समयः 12:00 बजे।

नोटः संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS dh osclkbV www-ireps-gov-in पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। लॉट के अनुसार विवरण नीचे दिए गए कैटलॉग में उपलब्ध है

हमें लाइक करें:.facebook.com/WesternRly Follow us on: X x.com/WesternRly 1189

संक्षेप

अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई

पट्टा क्षेत्र के बाहर खनन के मामले में कंपनी पर 3.28 करोड़ का लगाया जुमार्ना

बांदा, अवैध खनन के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। जिलाधिकारी के निर्देश पर की गई जांच में मयूर बॉक्साइट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को स्वीकृत खनन क्षेत्र से बाहर अवैध खनन करते हुए पाया गया। खनिज विभाग और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने तहसील बांदा के ग्राम पथरी में जांच की। यह क्षेत्र गाटा संख्या 72/47 का भाग और 74/1 का भाग (खंड संख्या-03) में स्थित है। कुल 19 हेक्टेयर क्षेत्र में खनन की अनुमति थी। जांच में पाया गया कि कंपनी ने स्वीकृत क्षेत्र से बाहर 36,518.75 घन मीटर बालू और मोरम का अवैध खनन और परिवहन किया। साथ ही खनन क्षेत्र में आवश्यक पिलर भी नहीं पाए गए। कंपनी के निदेशक के खिलाफ 3 करोड़ 28 लाख 66 हजार 875 रुपए का जुमार्ना लगाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। कंपनी को इस संबंध में नोटिस जारी किया जा रहा है।

गोदाम की छत पर चढ़ा सांड

नगर पालिका की टीम ने हाइड्रा मशीन से रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

दानिश, हापुड़, हापुड़ के शिवपुरी इलाके में मंगलवार को एक अजीब घटना सामने आई। एक सांड गोदाम की छत पर चढ़ गया। इससे पूरे इलाके में अफरातफरी मच गई। शिवपुरी मोहल्ले में स्थित एक गोदाम का दरवाजा खुला था। एक सांड अंदर घुस गया और सीढ़ियों से छत तक पहुंच गया। लोगों ने जब सांड को छत पर देखा, तो उनके होश उड़ गए। स्थानीय लोगों ने सांड को नीचे उतारने की कोशिश की। लेकिन सांड आक्रामक हो गया। डर के मारे कोई भी उसके पास नहीं जा पा रहा था। घटना की सूचना मिलते ही नगर पालिका की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने पहले चारा डालकर सांड को शांत करने की कोशिश की। इसके बाद लाठी-डंडों की मदद से उसे नीचे उतारने का प्रयास किया। लेकिन सफलता नहीं मिली। अंत में हाइड्रा मशीन की मदद से सांड को सुरक्षित नीचे उतारा गया। बाद में उसे सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया गया।

ट्रैक्टर से कुचलकर डेढ़ साल के मासूम की मौत

हापुड़ के कृषि फार्म में हादसा, चालक ने बच्चे को गोद में उठाकर अस्पताल पहुंचाया

हापुड़, गढ़ गंगा खादर के गांव प्रसादीपुर में एक कृषि फार्म पर दर्दनाक हादसा हुआ। डेढ़ वर्षीय बच्चे की ट्रैक्टर की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब मजदूर ओमपाल अपने परिवार के साथ गन्ने की छुलाई का काम कर रहा था। उनका पोता वीशू फार्म के अंदर घुटनों के बल रेंग रहा था। वह दीवार के पास से अचानक बाहर की तरफ आ गया। इसी दौरान वहां से गुजर रहे ट्रैक्टर के टायर की चपेट में आ गया। ट्रैक्टर चालक ने जिम्मेदारी दिखाते हुए घायल बच्चे को तुरंत गोद में उठाया। वह परिजनों को साथ लेकर गढ़ में चिकित्सक के पास पहुंचा।

रेलवे पर लगा 50 हजार रुपए का हर्जाना

कोर्ट ने सेवानिवृत्त आरपीएफ जवानों को एक जुलाई को वार्षिक वेतन वृद्धि देने का निर्देश

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि 30 जून को सेवानिवृत्त आर पी एफ जवानों एक जुलाई को एक वार्षिक वेतन वृद्धि पाने का अधिकार है। कोर्ट ने विभिन्न वर्षों में सेवानिवृत्त 12 याचियों को एक वार्षिक नोशनल वेतन वृद्धि देकर 1 मई 2023 से तीन माह के भीतर बकाये का भुगतान करने तथा इंक्रीमेंट जोड़कर पेंशन को पुनरीक्षित कर पेंशन का भुगतान करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि आदेश प्राप्ति तिथि से तीन माह की अवधि शुरू होगी। कोर्ट ने आदेश की प्रति सचिव रेलवे मंत्रालय नई दिल्ली, महानिदेशक फढञ्च रेलवे

बोर्ड नई दिल्ली, महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर, प्रमुख वित्त सलाहकार/मुख्य लेखा अधिकारी पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर को अनुपालन कराने के लिए भेजने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने महानिदेशक रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली मनोज यादव को चेतावनी देते हुए कहा है कि भविष्य में विधिक सलाह से ही हलफनामा दाखिल करें।

अपनी मर्जी से कुछ भी हलफनामा दाखिल न करें। उनके द्वारा दाखिल हलफनामे के दो पैराग्राफ को कोर्ट ने अवमाननाकारी माना लेकिन कोई कार्रवाई करने के बजाय चेतावनी देकर छोड़ दिया है। लेकिन रेलवे पर 50 हजार रुपए हजार्ना लगाया है। कहा है कि याचीगण को हजार्ने का भुगतान किया जाए। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर ने आर के प्रसाद व 11 अन्य की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है।

अवैध अफीम की खेती का खुलासा

हंडिया के धोकरी गांव में बैगन-गेहूं के बीच मिले अफीम के पौधे, मालिक फरार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, हंडिया क्षेत्र में पुलिस ने अवैध अफीम की खेती का भंडाफोड़ किया है। धोकरी कछार स्थित एक खेत में कोतवाल ब्रजकिशोर गौतम के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छापेमारी की। खेत में बैगन और गेहूं की फसल के बीच अफीम के पौधे उगाए गए थे। मौके पर हंडिया एसीपी सुनील सिंह, फूलपुर नायब तहसीलदार रविन्द्र कुमार, कानूनगो प्रमोद कुमार और लेखपाल राहुल बिंद मौजूद रहे। खेत के मालिक हौसला प्रसाद पटेल मौके से फरार हैं। पकड़ी गई अफीम की कीमत लाखों रुपये आंकी गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आबकारी विभाग क्षेत्र में पूरी तरह निष्क्रिय है। विभाग केवल कमीशन लेने के लिए सक्रिय रहता है। पिछले साल भी इस क्षेत्र में दो बड़ी कार्रवाई हुई थीं। उतराव के रेहथू गांव

में 17 मार्च को 1200 अफीम के पौधे और 1300 फल बरामद हुए थे। इनका वजन 71.5 किलो था, जिसकी कीमत लगभग 80 लाख रुपये थी। इसी तरह 13 मार्च को हंडिया के नोनरा गांव में भी अफीम की खेती पकड़ी गई थी। पुलिस ने मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है। फरार खेत मालिक की तलाश की जा रही है। इस तरह की अवैध खेती पर प्रशासन सख्त कार्रवाई कर रहा है।

चोरी के सामान के साथ 2 आरोपी गिरफ्तार

- **एलपीजी गैस सिलेंडर और बैटरी बरामद, पुलिस ने की छापेमारी**

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी , जगदीशपुर पुलिस ने चोरी के एक मामले का सफल खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उप-निरीक्षक महेंद्र सिंह की टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध व्यक्ति चोरी के सामान के साथ क्षेत्र में मौजूद है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी गौस मोहम्मद को गिरफ्तार किया। गौस निहालगढ़ के हकीम मोहल्ले का रहने वाला है। उसके पास से एक ठेलिया और विभिन्न ब्रांड के सिगरेट व तंबाकू के डिब्बे बरामद हुए। पूछताछ में पता चला कि यह सामान 11 फरवरी की रात जीजीआईसी गेट के पास स्थित एक पान की गुमटी से चोरी किया गया था। ठेलिया त्रिवेदी के गोदाम से चुराई गई थी। गौस के बयान पर पुलिस ने उसके साथी रमेश यादव के घर पर छापा मारा। वहां से एक लुमिनस इन्वर्टर, 19 किलो का कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर और एक बैटरी बरामद हुई। पुलिस ने रमेश यादव को

भी गिरफ्तार कर लिया। जगदीशपुर पुलिस दोनों आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाही कर रही है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए यह अभियान जारी रहेगा।

डीएम स्पोर्ट्स अकादमी का कमाल

यूपी पुलिस भर्ती में 6 में से 4 छात्र सफल, शारीरिक दक्षता परीक्षा पास की

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

हापुड़, गढ़मुक्तेश्वर स्थित डीएम स्पोर्ट्स एक्सीलेंस सेंटर ने एक नई उपलब्धि हासिल की है। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती में केंद्र के 6 प्रशिक्षणार्थियों में से 4 ने सफलता प्राप्त की है। केंद्र के निदेशक सिद्धार्थ चौधरी के अनुसार, अनुभवी मुख्य प्रशिक्षक नवीन चौधरी की देखरेख में शिवम, अमित कुमार, अमर शर्मा, गुरप्रीत सिंह और भारती चौहान ने कड़ी मेहनत की। इन सभी ने शारीरिक दक्षता परीक्षा में सफलता हासिल की। डीएम स्पोर्ट्स एक्सीलेंस सेंटर न केवल खेल प्रशिक्षण में बल्कि प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी में भी अपनी पहचान बना रहा है। प्रबंधक राजेंद्र चौधरी ने बताया कि वे क्षेत्र के युवाओं को शिक्षा और खेल में समान अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सफल प्रशिक्षुओं को अकादमी की

ओर से पुरस्कार दिए गए। इस कार्यक्रम में देव मैमोरियल एजुकेशनल ट्रस्ट का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में सुरेश चौहान, लोकेश कुमार, संजय चौहान और सुधीर कुमार समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

19 साल की युवती लापता

- **साथ में 20 हजार रुपए और मोबाइल भी ले गई, भाई ने पुलिस में दर्ज कराई शिकायत**

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, थाना बल्दीराय क्षेत्र में एक 19 वर्षीय युवती के लापता होने का मामला सामने आया है। युवती के भाई ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। जिसके आधार पर पुलिस ने नामजद मुकदमा दर्ज किया है। पीड़ित ने बताया कि उसकी बहन 6 मार्च की रात करीब 3 बजे घर से बिना बताए चली गई। युवती अपने साथ मोबाइल फोन और 20 हजार रुपए भी ले गई है। परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कहीं कोई पता नहीं चल सका।

शिकायतकर्ता ने बताया कि आरोपी परीक्षित मौर्या वह उसकी बहन को लेकर गया है। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिवार वाले युवती की सकुशल वापसी की उम्मीद कर रहे हैं। इस बाबत थानाध्यक्ष बल्दीराय धीरज कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्जकर लिया गया है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार करके लड़की को बरामद कर लिया जाएगा।

बनवासी बस्ती में लगी भीषण आग

15 से 16 घर जलकर राख, अनाज-कपड़े समेत पूरा सामान नष्ट

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी तहसील, कोतवाली क्षेत्र स्थित बैषणा ग्राम सभा के राम दत्त बनवासी टोला में अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई। आग ने बनवासी समुदाय के 15-16 घरों को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी तेज थी कि लोग अपना सामान भी नहीं बचा पाए। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया। इस हादसे में प्रभावित परिवारों का अनाज, कपड़े, बर्तन, फर्नीचर और नगदी समेत लाखों का सामान जलकर राख हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन हरकत में आ गया। एसडीएम आशीष सिंह ने मौके का जायजा लिया। उन्होंने हल्का लेखपाल को नुकसान का आकलन करने का निर्देश दिया है।

प्रशासन ने प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। आग से प्रभावित परिवारों की स्थिति बेहद खराब है। उनका पूरा गृहस्थी का सामान जल चुका है। अब वे बुनियादी जरूरतों के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं। इस हादसे में अर्जुन, ओम प्रकाश, देवराज, राहुल, कुंवर बहादुर, कुंवर चंद्र, लवकुश, राम लखन, त्रिवेणी, राजेंद्र, सत्रोहन, रामपाल, राम टहल, रमशेर, शमशेर, राजेश, विजय पाल और राम अवतार के घरों का सारा सामान जलकर राख हो गया है। पीड़ित परिवारों का अनाज, कपड़े, फर्नीचर, बर्तन, नगदी और अन्य आवश्यक सामग्री पूरी तरह नष्ट हो गई है।

मालगाड़ी ने कंटेनर को टक्कर मारी

100 मीटर घसीटा, ट्रैक से चिंगारी निकली; क्रॉसिंग में फंस गया था

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, मालगाड़ी ने क्रॉसिंग पर फंसे कंटेनर को टक्कर मार दी। उसे 100 मीटर तक घसीटते हुए ले गई। हादसे में ट्रेन के लोको पायलट और कंटेनर के ड्राइवर घायल हो गए। हुआ यूं कि सोमवार रात 2 बजे ट्रेन आने की सूचना मिलते ही गेटमैन ने क्रॉसिंग बंद कर दी। इस दौरान कंटेनर चालक अंदर घुस गया, जिससे कंटेनर क्रॉसिंग के बीचों-बीच फंस गया। कंटेनर चालक ने गेटमैन से क्रॉसिंग खोलने को कहा, लेकिन उसने मना कर दिया। इसके बाद दोनों के बीच कहासुनी हो गई। तभी वाराणसी की तरफ से मालगाड़ी आ गई और कंटेनर में टक्कर मार दी। पूरी घटना निहालगढ़ रेलवे स्टेशन के रेलवे फाटक पर हुई।

हादसे का वीडियो भी सामने आया है। बैरिकेडिंग टूटी, ट्रैक से चिनगारी निकली टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ओवरहेड इलेक्ट्रिक लाइन, बैरिकेडिंग और पोल टूट गए। ट्रेन के इंजन का शीशा भी टूट गया। 58 सेकेंड के वीडियो में दिख रहा है कि कंटेनर रेलवे फाटक के बीच में फंसा हुआ है। चालक बार-बार कंटेनर को आगे-पीछे करने की कोशिश कर रहा है। इसी बीच एक मालगाड़ी आती है और कंटेनर को टक्कर मारते हुए करीब 100 मीटर तक घसीट ले जाती है। टक्कर के दौरान ट्रैक से चिंगारी निकलने लगती है। लखनऊ-सुल्तानपुर-वाराणसी ट्रैक बाधित हादसे के बाद लखनऊ-सुल्तानपुर-वाराणसी रेलवे ट्रैक पूरी तरह बाधित हो गया। ट्रेनें अपनी जगह पर रुक गई हैं। रेलवे कर्मचारी ट्रैक की मरम्मत और कंटेनर को हटाने में जुटे हैं। हादसे के चलते रायबरेली-अयोध्या हाईवे पर दोनों तरफ जाम लग गया है। प्रशासन ने यातायात को डायवर्ट कर दिया है। अयोध्या की ओर से आने वाले वाहनों को रानीगंज से वारिसगंज होते हुए लखनऊ-वाराणसी हाईवे पर भेजा जा रहा है। वहीं, रायबरेली, सुल्तानपुर और प्रतापगढ़ से अयोध्या जाने वाले वाहनों को जगदीशपुर चौराहा और श्री रामगंज चौराहा की तरफ से भेजा जा रहा।

मथुरा के चौबिया पाड़े में कई मकानों में दरारें

पुरानी पाइपलाइन और नालियों की खराब स्थिति से इमारतें खतरे में, निगम ने किया निरीक्षण

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, घनी आबादी वाले चौबिया पाड़ा क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक मकानों में गंभीर दरारें आ गई हैं। स्थानीय निवासी भयभीत हैं क्योंकि कई घरों की दीवारों में बड़ी-बड़ी दरारें दिखाई दे रही हैं। वार्ड नंबर 64 के पार्षद बालकिशन चतुवेर्दी ने बताया कि नीम गली में स्थित कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। सबसे अधिक नुकसान पूर्व सभासद की हवेली को पहुंचा है। एक मकान दूसरे मकान पर झुक गया है, जो किसी भी समय गिर सकता है। क्षेत्रीय पार्षद ने इस समस्या का मुख्य कारण बताया कि यहां लंबे

समय से नालियों का उचित निर्माण नहीं हुआ है। इसके अलावा क्षेत्र में पाइपलाइन भी काफी पुरानी हो चुकी है। नगर निगम ने मौके का निरीक्षण कर लिया है। अधिकारियों ने जर्जर पाइपलाइन को हटाकर नई पाइपलाइन डालने का निर्णय लिया है। पार्षद ने बताया कि मथुरा-वृंदावन नगर आयुक्त को इस समस्या से अवगत करा दिया गया है।

बिजली के तार में झटका मशीन लगाने का विवाद

अमेठी में दो पक्षों में मारपीट, घर में घुसकर तोड़फोड़; मुकदमा दर्ज

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी तहसील, ग्राम कोहरा में बिजली के तार में झटका मशीन लगाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हिंसक रूप ले लिया। राजकुमार वर्मा का अपने पड़ोसी अर्जुन वर्मा और साहब दास वर्मा से विवाद हुआ। राजकुमार वर्मा के अनुसार, विवाद के बाद वह घर लौट आए। इसके बाद रंजिश के चलते अर्जुन वर्मा और साहब दास वर्मा ने उनके घर में घुसकर परिवार के साथ मारपीट की। आरोपियों ने घर का सामान तोड़फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया। ईंट से बनी दीवार भी गिरा दी। हमलावर परिवार को जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पीड़ित ने थाना अमेठी में शिकायत दर्ज कराई। अमेठी कोतवाली प्रभारी बृजेश सिंह ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ धारा 115(2), 352, 351(3), 333, 324(4) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

12.22 लाख के मोबाइल किए बरामद

जिले भर के थानों में चोरी हुए 71 मोबाइल ढूंढ़े, शिकायत कर्ताओं को किए वापस

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, जिले में विभिन्न मामलों में चोरी हुए और गुमशुदा हुए 71 मोबाइल अलीगढ़ पुलिस ने बरामद कर लिए हैं। साइबर क्राइम की टीम ने यह मोबाइल बरामद किए, जिसके बाद इन्हें शिकायत कर्ताओं को वापस किया गया है। यह मोाबाइल जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से गायब हुए थे और पीड़ितों ने थाने में लिखित शिकायत दी थी। जिसके बाद टीम लगातार इन मोबाइलों को ट्रेस कर रही थी। धीरे-धीरे करके पुलिस ने इन्हें बरामद किया है, जिसके बाद इन्हें मंगलवार को

लोगों को वापस किया गया। एसपी क्राइम ममता कुरील ने शिकायत कर्ताओं को मोबाइल वापस किए। एसपी क्राइम ममता ने बताया कि जिले के विभिन्न थानों से उएकफ पोर्टल पर गुमशुदा मोबाइलों की सूचना रजिस्टर्ड की जाती है। जिसके बाद साइबर और सर्विलांस की टीम लगातार इनकी तलाश कर रही थी। अब टीम को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों से 71 मल्टीमीडिया मोबाइल बरामद किए हैं। जिसकी बाजार कीमत लगभग 12 लाख 22 हजार 966 रुपए है। मोबाइल मिलने के बाद सभी शिकायत कर्ताओं से संपर्क किया गया था और उन्हें मंगलवार को पहचान के लिए पुलिस लाइन में बुलाया गया। शिकायतकर्ताओं को बुलाने के बाद उनके मोबाइलों की पहचान कराई गई। जिसके बाद पुलिस टीम ने शिकायत कर्ताओं को उनके मोबाइल वापस किए हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा एफ.एल.टी.-एल.जी.-75, आर.एम. 4/4, इंदिरा नगर, सुंदर बाग, आर.डी. कुर्ला (प.) मुम्बई, 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं एस.आर. पब्लीकेशन, मोहन अर्जून कम्पाउंड गोदाम नं. 8,9,10 नीयर घाटन पाड़ा, वैशाली नगर, लास्ट बस स्टाप, दहिसर (पूर्व), मुम्बई 400068 महाराष्ट्र से मुद्रित ।। सम्पादक- खुशीराम शर्मा ।।
EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 02248253669,8097049935,9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173 संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001 भारत संवाद सिटी ऑफिस- फ्लैट नंबर 24, सेकंड फ्लोर, कांटेक्टर बिल्डिंग, ब्लार्ड स्टेट, वजूकोटक मार्ग, शहीद भगत सिंह रोड, फोर्ट, मुंबई 400001 महाराष्ट्र।